



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 1]
No. 1]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 4, 1969 (पौष 14, 1890)
NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 4, 1969 (PAUSA 14, 1890)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस

(NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 7 दिसम्बर 1968 तक प्रकाशित किए गये हैं :—
The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 7th December 1968 :—

अंक	संख्या और तारीख	द्वारा जारी किया गया	विषय
Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
1	2	3	4
224	No. 256-ITC(PN)/68, dated 4th December, 1968.	Ministry of Commerce.	Import Policy for Registered Exporters for the year April, 1968—March, 1969.
	No. 257-ITC(PN)/68, dated the 4th December, 1968.	Do.	Import Policy for Registered Exporters for the year April 1968—March, 1969.
	No. 58-ITC(PN)/68, dated the 4th December, 1968.	Do.	Import Policy for Registered Exporters for the year April 1968—March, 1969.
	No. 259-ITC(PN)/68, dated the 4th December, 1968.	Do.	Import Policy for Registered Exporters for the April, 1968—March, 1969.
225	No. 260-ITC(PN)/68, dated the 5th December, 1968.	Do.	Import Policy for Newsprint-Binding and Writing Paper (excluding laid marked paper which contains mechanical wood pulp amounting to not less than 70 per cent fibre contents— S. No. 44/V—for the year April, 1968—March, 1969—release of additional quota to non-striking newspapers.
226	No. 261-ITC(PN)/68, dated the 6th December, 1968.	Do.	Import Policy for Registered Exporters for the year April—1968—March—1969—submission of documents by exporters of Books Journals and Periodicals.
227	No. F. 3(43)-B/68, dated the 6th December, 1968.	Ministry of Finance.	Annual Financial Statement for 1968-69 as presented to Parliament on the 29th February, 1968.
228	No. 262-ITC(PN)/68, dated the 7th December, 1968.	Ministry of Commerce	Import Policy for Registered Exporters for the year April, 1968—March, 1969.

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएगी।
मांग-पत्र प्रकाशक को इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Co.
Lines,

Extraordinary mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications Civil
I be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these *Gazettes*.

2391C

(1)

विषय-सूची (CONTENTS)

भाग I—खंड 1.—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 1	भाग II—खंड 3.—उप-खंड (2)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों की छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	पृष्ठ 1
भाग I—खंड 2.—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1	भाग II—खंड 4.—रक्षा मन्त्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	1
भाग I—खंड 3.—रक्षा मन्त्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग III—खंड 1.—महालेखापरीक्षक, सच लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संसन्ध-तथा अर्थिक कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	1
भाग I—खंड 4.—रक्षा मन्त्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1	भाग III—खंड 2.—एकस्थ कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	1
भाग II—खंड 1.—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 3.—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	1
भाग II—खंड 2.—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्ट	—	भाग III—खंड 4.—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं	1
भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम अथवा सम्मिलित हैं)	1	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें	1
		पूरक संख्या 1—	
		28 दिसम्बर 1968 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट	1
		7 दिसम्बर 1968 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म, तथा बड़ी विमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़े	15
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	Page 1	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	Page 1
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	1
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	1	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	1	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	1
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations		PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	1
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills		PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules, (including orders, bye-laws, etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	1	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	4
		SUPPLEMENT No. 1—	
		Weekly Epidemiological R week-ending 28th December	1
		Births and Deaths from diseases in towns with 30,000 and over in ending 7 Decem ^r	45

भाग I—खंड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

राष्ट्रपति सचिवालय

दिनांक 17 दिसम्बर 1968

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1968

सं० 79-प्रेज/68—राष्ट्रपति हिमाचल प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री जग्गो राम,
कांस्टेबल सं० 378,
1ली बटालियन,
हिमाचल प्रदेश मशस्त्र पुलिस,
हिमाचल प्रदेश ।

4 फरवरी, 1968 को श्री जग्गो राम हिमाचल प्रदेश मशस्त्र पुलिस की 1ली बटालियन के कमाण्डेंट के साथ जीप में रामपुर को जा रहे थे । नीर्थ के निकट उन्होंने देखा कि सतलुज नदी के बायें किनारे पर रज्जु-मार्ग (रोपवे) ट्रीली का एक आधार-स्तम्भ भारी वर्षा के कारण ढीला होकर नदी की ओर गिरने वाला था । ट्राली, जिसमें दो महिलाएँ थीं, स्तम्भ से अटकी हुई थीं जो अनिश्चित रूप से तिरछा हो गया था और जिसकी किसी भी क्षण नदी में टूट गिरने की सम्भावना थी । तीन आदमी, जिन्होंने महिलाओं की सहायता करने का प्रयत्न किया, स्तम्भ के आधार के एक पत्थर के अपने स्थान से हटने के कारण हुई गहरी दरार में फिसल गये और दैवयोग से ही मृत्यु के मुद्दे से बचे । ट्राली में महिलाएँ रो रही थीं तथा सहायता के लिए चिल्ला रही थीं । यह देखकर श्री जग्गो राम, अपने प्राणों की परवाह न करते हुए, स्तम्भ पर चढ़ गये और ट्राली से दोनों महिलाओं को बाहर निकाला और इस प्रकार उनकी जान बचाई ।]

श्री जग्गो राम ने स्वयं अपने जीवन को खतरे में डालकर महिलाओं की जान बचाने में साहस एवं वीरता का परिचय दिया ।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 4 फरवरी, 1968 से दिया जायेगा ।

सं० 80-प्रेज/68—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्ति को उसकी वीरता के लिये "महावीर चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

लेफ्टिनेन्ट कर्नल महातम सिंह (आई० सी०-10690),
जम्मू तथा काश्मीर राइफल्स ।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—1 अक्टूबर 1968) ।

लेफ्टिनेन्ट कर्नल महातम सिंह चोला क्षेत्र में 23 जून से 14 अक्टूबर 1967 के बीच जम्मू तथा काश्मीर राइफल्स की एक बटालियन की कमान कर रहे थे, जब कि चीनी सैनिक जो कई स्थानों में हमारी सैनिक टुकड़ियों के बिल्कुल समीप थे, स्थिति को उत्तेजनात्मक तथा तनावपूर्ण बनाये हुए थे । कठिन मार्ग तथा मौसम की प्रतिकूल स्थितियों के बावजूद उनके कुशल नेतृत्व में हमारे सैनिकों ने अपना कार्य सराहनीय ढंग से पूरा किया । लेफ्टिनेन्ट कर्नल महातम सिंह ने स्थिति पर सदा पूर्ण नियंत्रण रखा । 1 अक्टूबर, 1967 को जब शत्रु ने हमारे स्थान पर अचानक आक्रमण किया तो लेफ्टिनेन्ट कर्नल महातम सिंह एक कठिन मार्च के बाद घटनास्थल पर पहुंचे और उसी समय स्थिति को संभाल लिया तथा हमारी उस एक चौकी पर भी पहुंचे, जहां लड़ाई में शत्रु का सामना किया था ।

इस सम्पूर्ण कार्यवाही में लेफ्टिनेन्ट कर्नल महातम सिंह ने उदाहरणीय साहस, नेतृत्व तथा कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

सं० 81-प्रेज/68—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्तियों को मीजो पहाड़ी क्षेत्र में उत्कृष्ट वीरता के लिए "कीर्ति चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. 27152 सूबेदार चालनूना लुशाई,
आसाम राइफल्स ।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—24 फरवरी 1967)

24 फरवरी 1967 को सूबेदार चालनूना लुशाई को मीजो पहाड़ियों के एक गांव में स्थित एक उपद्रवी कैंप पर धावा बोलने और कब्जा करने का कार्य सौंपा गया था । जब उनकी प्लाटून उपद्रवी कैंप से लगभग 50 गज की दूरी पर थी, तो हल्की मशीनगन तथा राइफल की गोली-बारी से प्लाटून

का आगे बढ़ना रुक गया। सूबेदार लुशाई अपने को जोखिम में डालकर रेंगते हुए उपद्रवियों के स्थान तक पहुंचे और हल्की मशीनगन पर एक हथगोला फेंका और उसे शान्त कर दिया, जिससे उनकी प्लाटून अपने लक्ष्य प्राप्ति में सफल हुई। प्लाटून ने उपद्रवी कैंप को नष्ट कर दिया, तीन उपद्रवियों को मार दिया तथा हथियार और गोलाबारूद पर कब्जा कर लिया।

इस कार्यवाही में सूबेदार चालनूना लुशाई ने उदाहरणीय साहस तथा नेतृत्व का परिचय दिया।

2. कैप्टेन अल्ला नूर काथट (ई० सी०-57412),
आसाम राइफल्स। (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—2 जुलाई 1967)

अप्रैल 1967 में कैप्टेन अल्ला नूर काथट भीमो पहाड़ियों में आसाम राइफल्स की एक बटालियन के एक भाग की कमान कर रहे थे। बहुत थोड़े समय में ही वह उस क्षेत्र की जनता में विश्वास पैदा करने में सफल हुए। 2 जुलाई 1967 को जब एक ग्रामीण ने उन्हें सूचना दी कि 3 उपद्रवी गांव के गिरजाघर के पास गांव वालों से शरण तथा भोजन की मांग करते हुए देखे गए हैं, तो वे तुरन्त एक टुकड़ी के साथ उपद्रवियों के साथ निपटने के लिए चल पड़े। जब टुकड़ी अपनी चौकी को लीट रही थी तो कैप्टेन काथट को उस ग्रामीण ने जिसने पहले सूचना दी थी, रोक लिया। इस प्रकार रोकने का वास्तविक उद्देश्य कैप्टेन काथट को मुख्य निशाना बनाना था। उपद्रवियों ने जो घने जंगल में घात लगाए हुए थे, हल्के हथियारों से उनकी टुकड़ी पर गोली चला दी। यद्यपि कैप्टेन काथट घायल हो गए थे, उन्होंने सूचना देने वाले उपद्रवी को मार दिया तथा उपद्रवी गिरोह की ओर लपके और अपने साथियों को अपने पीछे आने का आदेश दिया। इस मुठभेड़ में कैप्टेन काथट के दो और गोलियां लगीं किन्तु उनकी परवाह न करते हुए वह अपने लोगों को उपद्रवियों का मूकाबला करने के लिए उत्साहित करते रहे। उपद्रवी घबरा गये और तीन मृतकों, एक बन्दूक तथा बहुत सा गोलाबारूद छोड़कर भाग खड़े हुए। कैप्टेन काथट का चोटों के कारण देहान्त हो गया।

सम्पूर्ण कार्यवाही में कैप्टेन अल्ला नूर काथट ने उदाहरणीय साहस, संकल्प तथा नेतृत्व का परिचय दिया।

सं० 82-प्रेज/68—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्तियों को चोला क्षेत्र में वीरता के लिए "वीर चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:—

1. जे० सी०-24059 सूबेदार वरयाम सिंह,
जम्मू तथा काश्मीर राइफल्स।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—1 अक्टूबर 1967)

सूबेदार वरयाम सिंह चोला क्षेत्र में जम्मू तथा काश्मीर राइफल्स की एक बटालियन की एक प्लाटून की कमान कर रहे थे। 1 अक्टूबर 1967 को जब हमारी चौकियों के सामने

स्थित चीनी सैनिकों ने अचानक भारी मशीनगनों तथा रिक्वायललेस गनों से गोलाबारी आरम्भ कर दी तो सूबेदार वरयाम सिंह ने तुरन्त अपने आदमियों को जवाबी गोलाबारी का आदेश दिया। शत्रु की भारी गोलाबारी के बावजूद वे एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाते रहे तथा अपने सैनिकों में विश्वास पैदा करते रहे। कई बार उन्होंने स्वयं अपनी सब-मशीन गन से चीनी सैनिकों पर गोलीबारी की और हालांकि उनके काफी सैनिक हताहत हो गए थे फिर भी उन्होंने चीनी सैनिकों के हमारे स्थान को जीतने के प्रयत्न को निष्फल कर दिया।

इस कार्यवाही में सूबेदार वरयाम सिंह ने साहस, नेतृत्व तथा कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. 13717044 हवलदार नरिन्दर सिंह
जम्मू तथा काश्मीर राइफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—1 अक्टूबर 1967)

अक्टूबर 1967 में हवलदार नरिन्दर सिंह चोला क्षेत्र में जम्मू तथा काश्मीर राइफल्स की एक बटालियन की एक प्लाटून में थे। 1 अक्टूबर 1967 को जब चीनी सैनिकों ने भारी मशीनगनों तथा रिक्वायललेस गनों से अचानक हमारे स्थानों पर गोलीबारी आरम्भ कर दी तो हवलदार नरिन्दर सिंह, जिनकी टुकड़ी थोड़ी ही दूरी पर थी, एक पत्थर की दीवार की ओर बढ़े और चीनी सैनिकों पर हथगोले फेंकने आरम्भ कर दिए तथा अपने साथियों को कड़ा मुकाबला करने के लिए उत्साहित किया। ऐसा करते समय उनके सिर में गोली लगी जिसके कारण उनकी मृत्यु हो गई।

इस कार्यवाही में हवलदार नरिन्दर सिंह ने साहस तथा संकल्प का परिचय दिया।

3. 9404031 हवलदार तिनजोंग लामा,
गोरखा राइफल्स।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—1 अक्टूबर 1967)

1 अक्टूबर 1967 को हवलदार तिनजोंग लामा चोला क्षेत्र में एक रिक्वायललेस गन टुकड़ी की कमान कर रहे थे। जब चीनी सैनिकों ने हमारी चौकियों पर भारी मशीनगनों से गोलाबारी आरम्भ कर दी तो हवलदार लामा ने तुरन्त अपनी रिक्वायललेस गन से चीनियों की एक भारी मशीन-गन चौकी को नष्ट कर दिया। यद्यपि उनकी टुकड़ी के काफी सैनिक हताहत हो गए तथापि वे अकेले ही अपनी रिक्वायललेस गन चलाते रहे और एक दूसरी चीनी मशीनगन बेकार कर दी।

इस कार्यवाही में हवलदार तिनजोंग लामा ने साहस तथा संकल्प का परिचय दिया।

4. 13727452 राइफलमैन गगन चन्द,
जम्मू तथा काश्मीर राइफल्स। (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—1 अक्टूबर 1967)

1 अक्टूबर 1967 को राइफलमैन गगन चन्द चोला क्षेत्र की लड़ाई में व्यस्त जम्मू तथा काश्मीर राइफल्स की एक

ब्रिटीश गणतन्त्र में थे। जब चीनी सैनिकों ने भारी मशीनगन तथा रिक्वायललेस गन से उनके स्थान पर गोलाबारी आरम्भ कर दी तो वह अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना समीप को एक चौकी पर पहुंचे और एक हल्की मशीनगन लेकर चीनियों पर प्रभावी गोलाबारी की तथा 5 चीनियों को मार गिराया। वह तब तक गोलाबारी करते रहे जब तक कि बुरी तरह से जखमी होकर, अन्तिम समय तक लड़ते हुए, अपनी जगह पर गिर न गए।

इस कार्यवाही में राइफलमैन गगन चन्द ने साहस, संकल्प तथा कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

5. 9409060 राइफलमैन देवी प्रसाद लिम्बू,
गोरखा राइफल्स। (सरभोपरास्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—1 अक्टूबर 1967)

1 अक्टूबर 1967 को राइफलमैन देवी प्रसाद लिम्बू चोला क्षेत्र में एक प्लाटून चौकी में सबसे अग्रिम संतरी थे। जब चीनी सैनिकों ने अचानक भारी मशीन गनों, मार्टरों, राकेट लांचर, राइफलों, हल्की मशीनगनों तथा ग्रेनेडों से गोलाबारी आरम्भ कर दी तो वे चीनियों पर बराबर गोली चलाते रहे। जब उनका गोलाबारूद समाप्त हो गया तो वे अपनी खुकरी निकालकर चीनियों पर झपटे तथा 5 चीनियों को मार कर स्वयं भी वीरगति को प्राप्त हुए।

इस कार्यवाही में राइफलमैन देवी प्रसाद लिम्बू ने साहस तथा संकल्प का परिचय दिया।

6. 1190652 गनर (ओ० आर० ए०) एम० पक्कीर
मोहम्मद, आर्टिलरी।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—1 अक्टूबर 1967)

गनर एम० पक्कीर मोहम्मद चोला में प्रेक्षण पार्टी के सिग्नलर थे। 1 अक्टूबर 1967 को जब चीनियों की अचानक भारी गोलाबारी से प्रेक्षण चौकी की लाइन कट गई तथा सिग्नल एन० सी० ओ०, जो दूरवर्ती नियंत्रण कर रहा था, शत्रु की मार्टर गोलाबारी से घायल हो गया तो गनर एम० पक्कीर मोहम्मद तुरन्त अपनी खाई से बाहर कूदे और तेजी से अपने सख्त घायल साथी की ओर बढ़े और उसे एक सुरक्षित स्थान पर ले गए। उनके पश्चात् उन्होंने संचार-व्यवस्था को पुनः चालू किया। जब संचार लाइन दुबारा कट गई तो वह फिर अपनी खाई से बाहर कूदे तथा लाइन को ठीक किया किन्तु उस समय तक प्रेक्षण-चौकी पर मार्टरों की साधी गोलाबारी के कारण रेडियो-सेट तथा टेलीफोन उड़ गये। उन्होंने किसी प्रकार एक टेलीफोन लाइन ठोक बनाए रखी जो चीनी मार्टरों की गोलाबारी से बार-बार कट जाती थी।

इस कार्यवाही में गनर एम० पक्कीर मोहम्मद ने साहस तथा कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

सं० 83-प्रेज/68—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्तियों को वीरता के लिए "शीर्य चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. 15563 हवलदार हरका बहादुर थापा,
आसाम राइफल्स।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—1 मई 1967)

7 अप्रैल 1967 को जब हवलदार हरका बहादुर थापा मीजो जिला के एक क्षेत्र में अपनी घात लगाने वाली टुकड़ी को खोजने का कार्य कर रहे थे तो उन्होंने एक सशस्त्र उपद्रवी स्काउट को देखा। वह उपद्रवी पर झपटे तथा उससे हथियार और गोलाबारूद छीन लिया। 30 अप्रैल 1967 को हवलदार थापा को अपने 15 आदमियों की एक गश्ती टुकड़ी लेकर घात लगाने का आदेश हुआ। अचानक घेरा डालने के लिए उन्होंने घने जंगल में घुमावदार रास्ते को पकड़ा तथा 3 अन्य साथियों के साथ मुख्य पार्टी से कुछ आगे अपना मोर्चा जमाया। अगले दिन उन्होंने 3-4 व्यक्तियों की एक टोली को धौलेश्वरी नदी की ओर से आते देखा जिससे उन्हें शंका हुई। उन्होंने अपनी छोटी टुकड़ी को होशियारी से तैनात किया तथा उपद्रवियों पर आक्रमण कर दिया जो गांव के बाहर एक स्थान पर विचार विमर्श हेतु ठहरे हुए थे। उन्होंने एक उपद्रवी को मार डाला तथा दूसरे को पकड़ लिया। आगे की गई खोज के दौरान हवलदार थापा ने उपद्रवियों के दो मुखियों को पकड़ लिया तथा कुछ हथियार और बहुत से आवश्यक कागजातों पर कब्जा कर लिया।

इस कार्यवाही में हवलदार हरका बहादुर थापा ने साहस तथा पहल-शक्ति का परिचय दिया।

2. 16930 नायक उर्बादत्ता छैत्री,
आसाम राइफल्स।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—16 जून 1967)

16/17 जून 1967 की रात्रि को मीजो उपद्रवियों ने ऐंजल शहर से बहुत से सरकारी कर्मचारियों तथा निष्ठावान नागरिकों का अपहरण कर लिया। नायक उर्बादत्ता छैत्री एक पार्टी के सेक्शन कमांडर थे, जिसे आसपास के उस क्षेत्र को छानने का आदेश दिया गया। जब पार्टी खोजकार्य में संलग्न थी तब नायक छैत्री ने एक ऊँड़ झोंपड़ी से धुआं उठते हुए देखा। झोंपड़ी पर हमला किये जाने से पूर्व ही उपद्रवियों को पार्टी को उपस्थिति की जानकारी हो गई तथा उन्होंने गोलाबारी करते हुए भागने का प्रयत्न किया। नायक छैत्री दो अन्य साथियों के साथ शीघ्रतापूर्वक उपद्रवियों की स्थिति के पीछे जा और गये तथा एक अच्छी स्थिति ली, किन्तु दुर्भाग्यवश ऐन मौक पर उनकी स्टेन-गन जाम हो गई। उपद्रवी गनर के गोला चलाने से पूर्व ही उन्होंने उसे दबोच लिया और उसकी हल्की मशीनगन समेत उसे पकड़ लिया। नायक छैत्री के दो अन्य साथियों ने, जो उस स्थान पर पहुंचे शीघ्र दूसरे उपद्रवियों को संभाला तथा हथियार, एक हथगोला और बहुत से गोलाबारूद पर कब्जा कर लिया।

इस कार्यवाही में नायक उर्बादत्ता छत्री ने साहस तथा संकल्प का परिचय दिया ।

3. सेकण्ड लेफ्टिनेन्ट प्रताप राणा (आई० सी०-17508),
बिहार रेजीमेन्ट ।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—6 अगस्त 1967)

5 अगस्त 1967 को सेकण्ड लेफ्टिनेन्ट प्रताप राणा को 18 आदमियों की एक पार्टी लेकर मणिपुर में एक विद्रोही गिरोह का पता लगाने का आदेश हुआ जिसमें लगभग 200 आदमी थे और जिनके पास 9 हल्की मशीनगनें, लगभग 100 राइफलें तथा अनेक अन्य हथियार होने की सूचना मिली थी । 6 अगस्त 1967 को उपद्रवियों के एक गांव में होने की सूचना पाकर, सेकण्ड लेफ्टिनेन्ट राणा तुरन्त उस स्थान के लिए चल दिए और गिरोह को खोज निकाला । वे गांव के समीप पहुंचे तथा गिरोह पर अचानक गोलीबारी चालू कर दी जिससे वे बिल्कुल घबरा गये । मुठभेड़ में गिरोह का मुखिया मारा गया जिससे उपद्रवियों का हौसला पस्त हो गया और वे भाग खड़े हुए । सेकण्ड लेफ्टिनेन्ट राणा ने उपद्रवियों का पीछा किया, कुछ और उपद्रवियों को मार दिया तथा दूसरों को मणिपुर राज्य छोड़ने के लिए बाध्य कर दिया ।

इस कार्यवाही में सेकण्ड लेफ्टिनेन्ट प्रताप राणा ने धैर्यपूर्ण साहस, संकल्प तथा नेतृत्व का परिचय दिया ।

4. सं० 2561904 सिपाही राजी,
मद्रास रेजिमेन्ट ।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—29 सितम्बर 1967)

29 सितम्बर 1967 को सिपाही राजी सतलुज नदी पर हुसैनीवाला में पानी की झूटी पर थे । सीमा सुरक्षा दल द्वारा पकड़े गए एक संदिग्ध पाकिस्तानी को सतलुज नदी से पानी पीने के लिए बन्धन मुक्त किया गया तो वह अचानक नदी में कूद पड़ा, जिसमें बाढ़ आई हुई थी और पाकिस्तान की ओर तैरने लगा । यद्यपि सीमा सुरक्षा दल ने उस पर दो गोलियां चलाईं, किन्तु वे निष्फल सिद्ध हुईं । सिपाही राजी, जो कुछ दूर नदी के किनारे खड़ा था, यह घटना देखी तथा यह अनुमान लगाकर कि कुछ गड़बड़ी है, तुरन्त उस तेज बहती हुई नदी में कूद पड़ा और बच निकलने वाले कौड़ी को पकड़ा, उससे हाथापाई की और अन्त में उसे परास्त करके सुरक्षा गार्ड के सुपुर्द कर दिया ।

इस कार्यवाही में सिपाही राजी ने धैर्यपूर्ण साहस, पहल-शक्ति तथा संकल्प का परिचय दिया ।

5. जे० सी०-32917 नायब सूबेदार मान सिंह,
जाट रेजिमेन्ट ।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—27 दिसम्बर 1967)

दिसम्बर 1967 में नायब सूबेदार मान सिंह मीजो पहाड़ियों में जाट रेजीमेन्ट की एक कम्पनी के एक कालम में प्लाटून कमांडर थे । 27 दिसम्बर 1967 को उनकी टुकड़ी की आसाम-बर्मा सीमा पर उपद्रवियों के साथ मुठभेड़ हो गई । उपद्रवी कैम्प

के संतरी ने हमारे स्काउट पर गोली चलाई और उसे मार दिया । यह देखकर नायब सूबेदार मान सिंह ने अपनी प्लाटून से उपद्रवी कैम्प पर घावा बोल दिया जो उपद्रवियों की गोलीबारी में आ गई थी । उन्होंने निर्भीकता के साथ अपने आदमियों का नेतृत्व किया और तेजी से उपद्रवियों की छोटी मशीनगनों की ओर बढ़े जो उन पर फायर कर रही थी । उनके बायें कंधे में तीन गोलियां लगीं, किन्तु उन्होंने विद्रोहियों की उस मशीनगन को पीछे हटाने पर बाध्य कर दिया ।

इस कार्यवाही में नायब सूबेदार मान सिंह ने साहस तथा नेतृत्व का परिचय दिया ।

6. सं० 2642140 नायक जटिया राम,
ग्रेनेडियर्स । **(मरणोपरान्त)**

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—31 जनवरी 1968)

31 जनवरी 1968 को लगभग 1645 बजे ग्रेनेडियर्स की एक बटालियन नेफा के सेला क्षेत्र में कोर-अभ्यास में भाग लेने के लिए जमाव क्षेत्र की ओर मार्च कर रही थी । बटालियन पहाड़ी के नीचे एक छोटे रास्ते से निचली सड़क के ऐसे स्थान पर पहुंची जहां दो बड़ी नदियां मिलती थीं । नदी की आवाज तथा किसी भी संतरी के रास्ते में न मिलने के कारण इस बटालियन को लगभग 600 मीटर ऊपर एक नई सड़क पर काम करते हुए बुल्डोजर का पता नहीं था । जब नायक जटिया राम की कम्पनी एक स्थान को पार कर रही थी तो गिरते हुए पत्थरों की आवाज सुनाई दी । नायक जटिया राम ने तुरन्त थिरलाकर अपनी टुकड़ी को पहाड़ी की आड़ लेने का आदेश दिया । उन्होंने स्वयं अपनी टुकड़ी के कुछ व्यक्तियों को पहाड़ी की ओर ढकेला किन्तु ऐसा करते समय अपनी रक्षा करने में उन्हें विलम्ब हो गया और उन्हें प्राणघातक चोट लगी जिससे बाद में उनकी मृत्यु हो गई ।

सम्पूर्ण कार्यवाही में नायक जटिया राम ने धैर्यपूर्ण साहस तथा पहलशक्ति का परिचय दिया ।

सं० 84-प्रेज/68—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्तियों को उनके साहस के उपलक्ष में "सेना मैडल" / "आर्मी मैडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. जे० सी०-30458 नायब सूबेदार चित्ता बहादुर गुंरंग,
गोरखा राइफल्स ।

नायब सूबेदार चित्ता बहादुर गुंरंग मीजो पहाड़ी क्षेत्र में आसाम राइफल्स की एक प्लाटून की कमान कर रहे थे । 26 मई 1967 को उन्हें एक उपद्रवी कैम्प को कब्जे में करने तथा नष्ट करने का आदेश दिया गया । उपद्रवियों की भारी गोलीबारी से उनके प्लाटून को लक्ष्य से 100 गज की दूरी पर रुकना पड़ा । निर्भयता-पूर्वक उन्होंने उपद्रवियों के स्थान पर हमला किया और अपने आदमियों की सहायता से उस पर कब्जा कर लिया तथा दो उपद्रवियों को उसी स्थान पर मार दिया और एक को शस्त्र एवं गोलाबारूद के साथ पकड़ लिया ।

इस कार्यवाही में नायब सूबेदार चित्रा बहादुर गुंरंग ने साहस तथा संकल्प का परिचय दिया ।

2. सं० 18104 लांस नायक याम बहादुर भंडारी,
आसाम राइफलस ।

4 नवम्बर 1967 को लांस नायक याम बहादुर भंडारी मीजो जिले में एक गश्ती प्लाटून के अग्रिम स्काउट थे । जब वह गांव के निकट पहुंचे, तो उन्होंने लगभग 20 सशस्त्र उपद्रवियों को 500 गज की दूरी पर देखा । उपद्रवियों के संतरी ने शीघ्रता से चेतावनी-सूचक गोलियां धला कर खतरे का संकेत किया । यह जानकर कि उपद्रवी गोलीबारी की आड़ में भाग जायेंगे, उन्होंने अपने सेक्शन के साथ उपद्रवियों पर धावा बोल दिया । अचानक आक्रमण से हतप्रभ होकर उपद्रवी इधर-उधर भागने लगे । लांस नायक भंडारी ने अपने आदमियों के साथ उनका पीछा किया, यह जानकर कि तीन सशस्त्र उपद्रवी सीधी पहाड़ी से नीचे कूद गये हैं, वे भी उपद्रवियों के पीछे कूदे और एक उपद्रवी को घायल कर दिया जो कि अपनी हल्की मशीनगन छोड़कर बच निकला । बाद में तलाशी के समय एक उपद्रवी का शव उसी स्थान पर मिला जहां पर उपद्रवी की हल्की मशीनगन कब्जे में की गई थी ।

इस कार्यवाही में लांस नायक याम बहादुर भंडारी ने साहस तथा पहलुशक्ति का परिचय दिया ।

3. 16021 लांस नायक बुद्धिमान सरकी,
आसाम राइफलस ।

27/28 जून 1967 की रात को लांस नायक बुद्धिमान सरकी एक गश्ती दल के सेक्शन की कमान कर रहे थे जिसे उपद्रवी घुसपैठियों से निपटने के लिये ऐजल क्षेत्र में आक्रमण करने के लिए नियुक्त किया गया था । उन्हें आदेश दिया गया कि वह छोटे गश्ती दल को लेकर उन गुफाओं में खोज करें जहां उपद्रवियों की शरण लेने की सम्भावना हो । दो साथियों के साथ चलते समय उनका अचानक 5 सशस्त्र उपद्रवियों के साथ भागते हुए उपद्रवी नेता से सामना हो गया । उपद्रवी नेता ने गोली चलाकर भाग निकलने की कोशिश की जिसके परिणामस्वरूप लांस नायक सरकी के दोनों हाथों में गोली लगी । घायल होने पर भी उन्होंने उपद्रवी नेता का सामना किया तथा उसे मार डाला ।

इस कार्यवाही में लांस नायक बुद्धिमान सरकी ने साहस तथा संकल्प का परिचय दिया ।

4. 18079 राइफलमैन धन बहादुर छेत्री,
आसाम राइफलस ।

2 जुलाई 1967 को धन बहादुर छेत्री उस गश्ती दल के सदस्य थे जिसे मीजो पहाड़ियों में स्थित एक गांव में उपद्रवी घुसपैठियों से निपटने के लिए तैनात किया गया था । गांव तथा गांव के चारों ओर तलाश का काम पूरा करके जब गश्ती दल चौकी को वापस आ रहा था, तो उस पर 20 सशस्त्र उपद्रवियों के एक दल ने गोलीबारी कर दी । पहली ही गोली में राइफलमैन छेत्री घायल हो गए, किन्तु इसकी परवाह न करते हुए उन्होंने उपद्रवियों पर हमला करने में अपने नेता का अनु-

सरण किया और कूल्हे के बल मशीनगन से गोलीबारी करते रहे । इस वीरतापूर्ण कार्यवाही से उपद्रवी हतप्रभ हो गए तथा गोलाबारूद और तीन मृतकों को छोड़कर भाग गए ।

इस कार्यवाही में राइफलमैन धन बहादुर छेत्री ने साहस तथा संकल्प का परिचय दिया ।

5. 181991 राइफलमैन गुरुखुमा लुशाई,
आसाम राइफलस ।

14 मार्च 1967 को राइफलमैन गुरुखुमा लुशाई एक गश्ती दल के सदस्य थे जिसे उपद्रवियों को ढूंढने के लिये भेजा गया जिनके मीजो पहाड़ियों के एक गांव के पास केन्द्रित होने की सूचना मिली थी । वह गश्ती दल के अग्रिम स्काउट थे जबकि उन पर निकट से उपद्रवियों ने गोलीबारी की । उन्होंने जान लिया कि गश्ती दल के बचाव का केवल यही उपाय है कि उपद्रवियों पर शीघ्रता से हमला कर दिया जाय । उन्होंने अकेले ही उपद्रवियों पर हमला कर दिया और बाद में उनके साथ दूसरा स्काउट भी आ गया । इस तुरन्त कार्यवाही से घबराकर उपद्रवी दो राइफल तथा कुछ गोलाबारूद छोड़कर जंगल में भाग गए ।

इस कार्यवाही में राइफलमैन गुरुखुमा लुशाई ने साहस तथा संकल्प का परिचय दिया ।

नागेन्द्र सिंह, राष्ट्रपति के सचिव

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 जनवरी 1969

सं० 4/75/68-ए० आई० एस० (IV)—जो निर्मुक्त आपात कमीशन प्राप्त अफसर/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अफसर सशस्त्र-सेना में 1 नवम्बर, 1962 के बाद नियुक्त किए गए भारतीय वन सेवा में उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के हेतु चयन के लिए, जुलाई, 1969 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता-परीक्षा के नियम, आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जा रहे हैं ।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग द्वारा प्रकाशित नोटिस में किया जाएगा । अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि से किया जाएगा ।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों से अभिप्राय निम्नांकित में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों में से किसी एक से है । अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1956 के साथ पठित अनुसूचित जाति/आदिम जाति सूचियां (आशोधन) आदेश, 1956 संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंशमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी)

अनुसूचित जाति आदेश, 1964 तथा संविधान (अनुसूचित जाति आदिम जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967।

3. संघ लोक सेवा आयोग यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट II में निर्धारित विधि से लेगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. जो आपात कमीशन-प्राप्त अफसर/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अफसर 1 नवम्बर, 1962, के बाद सशस्त्र-सेना में नियुक्त हुए थे और जो 1968 की अवधि में, अथवा 1969 की अवधि में इस अधिनियम की तारीख से पहले निर्मुक्त हो चुके हैं अथवा 1969 की अवधि के अन्त तक जो निर्मुक्त होने वाले हैं वे सब इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

परन्तु जो आपात कमीशन प्राप्त अफसर/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अफसर 1 नवम्बर, 1962, के बाद सशस्त्र-सेना में नियुक्त हुए थे और जो 1968 से पहले निर्मुक्त कर दिए गए थे, वे नियम 8 के उपबन्धों के अनुसार इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

नोट 1—इन नियमों के प्रयोजनों के हेतु “निर्मुक्त” का अर्थ है :—

प्रशिक्षण की अवधि में या अंत में न होकर, या वास्तविक सेवा में लिए जाने से पहले इस प्रकार की प्रशिक्षण की अवधि को पूरा करने के लिए प्रदान किए गए अल्पकालीन सेवा कमीशन के दौरान या अंत में न होकर, कुछ सेवा की अवधि के बाद सशस्त्र सेना से—

- (i) आपात कमीशन प्राप्त अफसरों के मामले में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वास्तविक निर्मुक्ति,
- (ii) अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अफसरों के मामले में उनके सेवा-काल के अंत में वास्तविक निर्मुक्ति,
- (iii) सैनिक सेवा द्वारा विश्र्लिंगता के कारण अक्षतता किन्तु इसमें ऐसे अफसरों के मामले शामिल नहीं हैं, जो कवाचार, या अदक्षता या अपने निजी अनुरोध के कारण निर्मुक्त किए गए।

नोट 2—यदि किसी व्यक्ति को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद सशस्त्र-सेना में स्थायी कमीशन मिल जाता है, अथवा वह सशस्त्र-सेना से इस्तीफा दे देता है या वह उससे कवाचार या अदक्षता या अपने निजी अनुरोध के कारण निर्मुक्त कर दिया जाता है तो व्यक्ति को पात्र रद्द हो सकेगी।

नोट 3—जो इंजीनियर तथा डाक्टर केन्द्रीय सरकार में या राज्य-सरकारों में या सरकार के स्मामित्व में चलने वाले औद्योगिक उद्यमों में कार्य करते हैं और जिनको अनिवार्य दायित्वा योजना के अंतर्गत सशस्त्र सेना में कम से कम निर्धारित अवधि के लिए सेवा करनी पड़ती है और जिनको संगत नियमों के अन्तर्गत इस प्रकार की सेवा की अवधि अल्पकालीन सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है, वे इस परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्र नहीं होंगे।

नोट 4—जो अफसर स्वयं सेवक आरक्षी सेवा (वॉलंटियर रिजर्व फोर्स) से संबद्ध होंगे और जो अस्थाई सेवा के लिए नियुक्त किए गए होंगे, वे इस परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्र नहीं होंगे।

5. उम्मीदवार को या तो—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ख) सिक्किम की प्रजा, या
- (ग) नेपाल की प्रजा, या
- (घ) भूटान की प्रजा, या
- (ङ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(च) मूल रूप से ऐसा भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, लंका, और पूर्वी अफ्रीका के कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया (भूतपूर्व टैंगानिका और जंजीबार) देशों से आया हो।

परन्तु ऊपर की (ग), (घ), (ङ) और (च) कोटियों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण पत्र होना चाहिए।

लेकिन नीचे लिखे उम्मीदवारों को पात्रता-प्रमाण पत्र सेना आवश्यक नहीं होगा :—

(i) जो व्यक्ति 19 जुलाई, 1948 से पहले, पाकिस्तान से भारत में आ गए हों और तब से आम तौर से भारत में ही रहे हों।

(ii) जो व्यक्ति 19 जुलाई, 1948 को या उसके बाद पाकिस्तान से भारत में आ गए हों और जिन्होंने संविधान के अनुच्छेद 6 के अधीन स्वयं को भारत के नागरिक के रूप में पंजीयित करा लिया हो।

(iii) ऊपर की (च) कोटि के जो गैर-नागरिक, संविधान लागू होने की तारीख अर्थात् 26 जनवरी, 1950 से पहले भारत सरकार की सेवा में आए और तब से लगातार नौकरी कर रहे हैं और जिनके सेवा काल का क्रम नहीं टूटा हो। लेकिन यदि किसी व्यक्ति के सेवा काल का क्रम टूट गया हो और उसे 26 जनवरी, 1950 के बाद उक्त सेवा में दुबारा नियुक्त किया गया हो तो उसे भी औरों की तरह पात्रता-प्रमाण पत्र देना होगा।

परीक्षा में उस उम्मीदवार को भी बैठने दिया जा सकता है जिसके लिए पात्रता-प्रमाण पत्र आवश्यक हो और उसे सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने की शर्त के साथ, अनन्तिम (प्रोविजनल) रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है।

6(क). उम्मीदवार के लिए यह आवश्यक है कि उसकी आयु 24 वर्ष से अधिक उस वर्ष की 1 जुलाई को न हो जिसमें वह सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो, या (जहाँ केवल कमीशन परवर्ती प्रशिक्षण हो) उसने कमीशन प्राप्त किया हो।

6(ख). ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु में निम्नलिखित स्थितियों में छूट दी जा सकती है :—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष,

(2) यदि उम्मीदवार पूर्वी-पाकिस्तान से 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद भारत में आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और वह 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद पूर्वी-पाकिस्तान से आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(4) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का निवासी हो तथा उसने कभी फ्रेंच भाषा के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(5) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद, श्रीलंका से वास्तव में प्रत्यावर्तित हो कर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(6) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही अक्टूबर, 1964 से भारत श्रीलंका करार के अधीन, 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति भी हो, तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष,

(7) यदि उम्मीदवार गोआ, दमन और दियू के संघ राज्य-क्षेत्र का निवासी हो, तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष,

(8) यदि उम्मीदवार कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जर्जिया) से आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(9) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 या उसके बाद, बर्मा से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष, और

(10) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 को या उसके बाद, बर्मा, से प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष,

(11) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विवलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए, तथा

(12) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम आठ वर्ष तक जो किसी विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विवलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए और अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हैं।

(13) यदि उम्मीदवार सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो अथवा 1963 में कमीशन प्राप्त किया हो (जहां केवल कमीशन परवर्ती प्रशिक्षण था) और पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो उसके लिए अधिकतम तीन वर्ष तक,

(14) यदि उम्मीदवार सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो अथवा 1963 में कमीशन प्राप्त किया हो (जहां केवल कमीशन परवर्ती प्रशिक्षण था) और अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम-जाति का हो और पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो, तो उसके लिए अधिकतम आठ वर्ष तक,

(15) यदि उम्मीदवार सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो अथवा 1963, 1964 या उसने 1965 कमीशन प्राप्त किया हो, और अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह का निवासी हो तो उसके लिए अधिकतम चार वर्ष तक, और

(16) यदि उम्मीदवार सशस्त्र सेना में कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हुआ हो अथवा उसने 1963, 1964 या 1965 में कमीशन प्राप्त किया हो और वह भारतीय नागरिक है और लंका से प्रत्यावर्तित हो तो उसके लिए अधिकतम तीन वर्ष तक।

उपर्युक्त परिस्थितियों को छोड़कर निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

7. किसी उम्मीदवार को दो से अधिक बार प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी, यह रोक 1968 में हुई परीक्षा से लागू होगी।

नोट :—यदि उम्मीदवार किसी एक या अधिक विषयों में प्रतियोगिता परीक्षा में बैठता है तो उसे प्रतियोगी समझा जाएगा।

8. इन नियमों के उपबन्धों के अन्तर्गत, उम्मीदवार को जिस वर्ष वह निर्मुक्त हुआ और उसके निर्मुक्त होने के बाद के वर्ष में परीक्षा में बैठने के क्रमशः प्रथम तथा द्वितीय अवसर लेना चाहिए, परन्तु

(i) जो उम्मीदवार 1968 से पूर्व निर्मुक्त हुआ हो वह 1969 में होने वाली परीक्षा में बैठकर अपना द्वितीय अवसर ले सकता है, और

(ii) जो उम्मीदवार सन् 1968 की परीक्षा के लिए आवेदन प्राप्त होने की निर्धारित अंतिम तिथि के बाद 1968 में सैनिक सेवा द्वारा होने वाली विवलांगता के कारण अशक्त हो गया हो, वह सन् 1969 में होने वाली परीक्षा में पहले अवसर के रूप में बैठ सकता है।

नोट :—इस नियम के परंजुक (ii) में निहित उपबंध उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होंगे जो (आपात कमीशन प्राप्त अफसरों के मामले में) निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सन् 1968 में निर्मुक्त होने वाले थे, या जो (अल्पकालीन कमीशन प्राप्त अफसरों के मामले में) उनके सेवा-काल की समाप्ति पर सन् 1968 में निर्मुक्त होने वाले थे।

9. उम्मीदवार के पास कम-से-कम परिशिष्ट I में उल्लिखित विषयविद्यालयों में से किसी से प्राप्त बनस्पति विज्ञान, रसायन, भूविज्ञान, गणित, भौतिक और प्राणि-विज्ञान में से एक विषय के साथ स्नातक उपाधि अवश्य होनी चाहिए अथवा कृषि में स्नातक उपाधि अथवा सिविल या यांत्रिक या रासायनिक या कृषि इंजीनियरी की स्नातक उपाधि होनी चाहिए या परिशिष्ट I-क में उल्लिखित अर्हताओं में से कोई एक अर्हता होनी चाहिए।

नोट I—यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उसीगण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हता परीक्षा (क्वालीफाइंग एग्जामिनेशन) में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है बशर्ते कि वह अर्हता परीक्षा इस परीक्षा के आरम्भ होने से पहले समाप्त हो जाए। ऐसे उम्मीदवार को, यदि वह अन्य शर्तें पूरा करता हो, तो इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की ऐसी अनुमति अनन्तित माननी जाएगी और यदि वह अर्हता परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी-से-जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा के आरम्भ होने की तारीख से अधिक-से-अधिक दो महीने के भीतर प्रस्तुत नहीं करता, तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

नोट II—विशेष परिस्थितियों में, संघ सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई भी अर्हता न हो बशर्ते कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षाएं पाम की हों जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे।

नोट III—यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा परीक्षा में प्रवेश का पात्र हो किन्तु उसने ऐसे विश्वविद्यालय से उपाधि ली हो जो परिशिष्ट I में सम्मिलित न हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग, यदि उचित समझे तो, उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

10. सशस्त्र सेना में सेवा करने वाले उम्मीदवार को इस परीक्षा के लिए अपना आवेदन-पत्र अपनी यूनिट के कमान अधिकारी को प्रस्तुत करेगा जो इसे संघ लोक सेवा आयोग को भेजेगा। यदि उम्मीदवार स्वयं ही अपनी यूनिट का कमान अधिकारी है तो उसे आवेदन-पत्र अपने अगले उच्च अधिकारी को प्रस्तुत करना चाहिए।

अब अन्य सरकारी सेवा के उम्मीदवारों को परीक्षा में प्रवेश के लिए विभागाध्यक्ष की पूर्व अनुमति अवश्य लेनी होगी।

11. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

12. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा, जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश-प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) नहीं होगा।

13. यदि कोई उम्मीदवार किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए पैरवी करने की कोई कोशिश करेगा तो उसे परीक्षा में बैठने के लिए आयोग घोषित कर दिया जाएगा।

14. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग ने किसी बूसरे व्यक्ति से परीक्षा दिलवाने अथवा जाली या फेर-बदल किए हुए प्रमाण-पत्र पेश करने अथवा गलत या झूठा तथ्य प्रस्तुत करने अथवा किसी तथ्य को छिपाने या परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कोई अन्य अनियमित या अनुचित उपाय अपनाने, परीक्षा भवन में कोई अनुचित उपाय अपनाने या अपनाने की चेष्टा करने अथवा परीक्षा भवन में किसी तरह का अनुचित आचरण करने के फल-स्वरूप अपराधी घोषित किया है तो उसके विरुद्ध दण्डक अभियोजन के अतिरिक्त निम्नलिखित कारवाई की जा सकती है :—

(क) सदा के लिए अथवा किसी विशेष अवधि के लिए परीक्षा वारित किया जाना :

(i) आयोग द्वारा उम्मीदवारों के लिए आयोजित किसी परीक्षा में सम्मिलित होने अथवा किसी माक्षाकार में उपस्थित होने से।

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा सरकार के अन्तर्गत नौकरियों के लिए।

(ख) यदि वह पहले से ही सरकार की सेवा में हो तो उचित नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

15. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हता अंक (Qualifying marks) प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय में निश्चित करे, तो उसे आयोग मौखिक परीक्षा (Viva voce) के लिए बुलाएगा।

16. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों के द्वारा प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उनकी सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों के आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा, उनकी इन रिक्तियों पर नियुक्ति करने के लिए सिफारिश की जाएगी। यह भर्ती आरक्षित रूप में न होकर इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर होगी।

लेकिन शर्त यह है कि आयोग अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के किसी ऐसे उम्मीदवार को, जो किसी सेवा के लिए आयोग द्वारा निर्धारित स्तर के अनुसार योग्य सिद्ध न हो प्रशासन की कुशलता को ध्यान में रखते हुए उस सेवा पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त घोषित कर दे तो उसकी उस सेवा में यथास्थिति अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए आयोग सिफारिश करेगा।

17(क). यदि परीक्षा के परिणाम पर, योग्य उम्मीदवारों की पर्याप्त संख्या निर्भूक्त आनात कमीशन प्राप्त अफसरों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अफसरों द्वारा भरे जाने वाले आरक्षित रिक्त स्थानों के लिए प्राप्य नहीं है तो बिना भरे हुए रिक्त स्थानों को सरकार द्वारा समय समय पर इस विषय में निर्धारित ढंग से भरा जाएगा।

(ख) यदि योग्य उम्मीदवारों की संख्या निर्मुक्त आपात कर्मिण प्राप्त अफसरों/अल्पकालीन सेवा कर्मिण प्राप्त अफसरों द्वारा भरे जाने वाले आरक्षित रिक्त स्थानों से अधिक है तो जो नियुक्त नहीं होते हैं उनके नाम आने वाले वर्षों में उनके लिए आरक्षित रिक्त स्थानों के कोटा के लिए प्रतीक्षा-सूची में रखे जाएंगे।

18. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

19 परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इसमें नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

20 उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए, और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिसमें वह संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के बीच किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हो कि वह इन आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। आयोग द्वारा मौखिक परीक्षा के लिए ब्लाए गए उम्मीदवार की डाक्टरी परीक्षा करवाई जा सकती है।

नोट :—वाद में निराश न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा ले : नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों को किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके लिए स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके ब्यौरे इन नियमों के परिशिष्ट 4 में दिए गए हैं।

रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व विभाग सैनिकों को सेवा(ओं) की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

21. जिम पुरुष उम्मीदवार की एक से अधिक जीवित पत्नियां हो या जो एक पत्नी के जीवित रहने पर भी किसी ऐसी स्थिति में विवाह कर ले कि वह विवाह उक्त पत्नी के जीवित रहने की अवधि में किए जाने के कारण अवैध (वायड) हो जाए तो उसे उन सेवाओं में नियुक्ति का जिनके लिए इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर, नियुक्तियां की जाती हैं, तब तक पात्र नहीं माना जाएगा जब तक कि भारत सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसा करने के विशेष कारण हैं और पुरुष उम्मीदवार को इस नियम से छूट न दी जाए।

22. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में भर्ती होने से पहले ही हिन्दी का कुछ ज्ञान होना उन विभागीय परीक्षाओं को पास करने की दृष्टि से लाभदायक होगा जो उम्मीदवारों को सेवा में भर्ती होने के बाद देनी पड़ती है।

23. इस परीक्षा के द्वारा जिस सेवा के लिए भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त ब्यौरा परिशिष्ट III में दिया गया है।

एम० आर० भारद्वाज, अवर सचिव,

परिशिष्ट I

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालयों की सूची
(नियम 6 के अनुसार)

भारतीय विश्वविद्यालय

कोई भी ऐसा विश्वविद्यालय जो भारत के केन्द्रीय या राज्य विधानमण्डल के अधिनियम से निर्गमित किया गया हो और अन्य शिक्षा संस्थान जो संसद् के अधिनियम से स्थापित किया गया हो अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय मान लिए जाने की घोषणा हो चुकी है।

बर्मा के विश्वविद्यालय

रंगून विश्वविद्यालय।

माडले विश्वविद्यालय।

इंग्लैण्ड और वेल्स के विश्वविद्यालय

ब्रिस्बैंम, ब्रिस्टल, कैम्ब्रिज, डर्हम, लीड्स, लिवरपूल, लंदन, मैचेस्टर, आक्सफोर्ड, रीडिंग, शेफील्ड और वेल्स के विश्वविद्यालय।

स्काटलैण्ड के विश्वविद्यालय

एवरडीन, एडिनबरा, ग्लासगो और सेंट एन्ड्रयूज विश्वविद्यालय।

आयरलैण्ड के विश्वविद्यालय

डबलिन विश्वविद्यालय (ट्रिनिटी कॉलेज)।

नेशनल यूनिवर्सिटी, डबलिन।

क्वीन्स यूनिवर्सिटी, बेलफास्ट।

पाकिस्तान के विश्वविद्यालय

पंजाब विश्वविद्यालय

ढाका विश्वविद्यालय

सिंध विश्वविद्यालय

राजशाही विश्वविद्यालय

नेपाल का विश्वविद्यालय

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाण्डू।

परिशिष्ट I-क

परीक्षा में प्रवेश पाने वाले क लिए अनुमोदित योग्यताओं की सूची
(नियम 6 के अनुसार)

1. फ्रांसीसी परीक्षा (Propedentique)

2. उच्च ग्राम शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् (नेशनल कौंसिल आफ रूरल हायर एज्यूकेशन) से ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा।

3. विश्वभारती विश्वविद्यालय का उच्च ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा।

4. श्री अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पांडिचेरी का "उच्च पाठ्यक्रम" यदि "पूर्णछात्र" (फुल स्टूडेंट) के रूप में यह पाठ्य-क्रम सफलतापूर्वक पूरा किया हो।

5. भारतीय वैज्ञानिक संस्थान, बंगलौर की सहवृत्ति या शिक्षावृत्ति ।

6. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (आल इंडिया कोसिल फार टैक्निकल एज्युकेशन) से सिविल या यांत्रिक या रासायनिक इंजीनियरी । रासायनिक इंजीनियरी तथा तकनीकी में राष्ट्रीय डिप्लोमा ।

7. इंजीनियरों की संस्था (भारत) की सह-सदस्यता की भाग क और भाग ख सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी या रासायनिक इंजीनियरी जैसी किसी एक शाखा की परीक्षा पास की हो ।

8. लाबोरो कालेज, मेसेस्टर शायर का सिविल या यांत्रिक इंजीनियरी का आनर्स डिप्लोमा, ब्रशते कि उम्मीदवार ने प्राथमिक परीक्षा पास कर ली हो या उससे उसे छूट दे दी गई हो ।

नोट :—1 से 8 तक की योग्यताएं तब तक स्वीकृत नहीं होंगी, जब तक उम्मीदवार इन विषयों में से कम से कम किसी एक में पास नहीं हो :—वनस्पति-विज्ञान, रसायन-भू-विज्ञान, गणित, भौतिकी तथा प्राणि-विज्ञान ।

परिशिष्ट II

लिखित परीक्षा की रूपरेखा

1. प्रतियोगिता परीक्षा के विषय :—

- (क) नीचे पैरा 2 में बताये अनुसार 300 पूर्णांक के दो विषयों की लिखित परीक्षा ।
- (ख) ऐसे उम्मीदवारों की मौखिक परीक्षा जिन्हें आयोग द्वारा बुलाया जायेगा, इस मौखिक परीक्षा के पूर्णांक 300 होंगे जिनमें से 50 अंक सशस्त्र सेना में सेवा के रेकार्ड के मूल्यांकन के लिए निर्धारित होंगे ।

2. लिखित परीक्षा के विषय, दिया जाने वाला समय और प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

विषय	दिनांक जाने वाला समय	पूर्णांक
(1) सामान्य अंग्रेजी	3 घंटे	150
(2) सामान्य ज्ञान	3 घंटे	150

3. परीक्षा का पाठ्य विवरण संलग्न अनुसूची के अनुसार होगा और लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्र वे ही होंगे जो इसके साथ-साथ होने वाली नियमित भारतीय वन सेवा परीक्षा की योजना में दिए गये संगत विषयों के लिए होंगे ।

4. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही लिखने होंगे ।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न का उत्तर अपने हाथ से लिखना होगा । उन्हें किसी भी हालत में उनकी ओर से उत्तर लिखने

के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

6. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक (क्वालिफाइंग मार्क्स) निर्धारित कर सकता है ।

7. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होगी तो उसे अन्यथा मिलने वाले कुल अंकों में से कुछ अंक काट लिए जायेंगे ।

8. अनावश्यक ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे ।

9. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि अभिव्यक्ति कम-से-कम शब्दों में क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग और ठीक-ठीक की गई है ।

अनुसूची

(परिशिष्ट II के पैरा 3 के अनुसार)

प्रश्न-पत्रों का स्तर ऐसा होगा जिसकी भारतीय विश्वविद्यालय के विज्ञान इंजीनियरी ग्रेजुएट से आशा की जाती है ।

(1) सामान्य अंग्रेजी

उम्मीदवारों को एक विषय पर अंग्रेजी में निबंध लिखना होगा । अन्य प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएंगे जिनसे उसके अंग्रेजी भाषा के ज्ञान तथा शब्दों के सुन्दर प्रयोग की जांच हो सके । सामान्यतः संक्षेप-लेखन या सार-लेखन के लिए अवतरण लिए जाएंगे ।

(2) सामान्य ज्ञान

सामान्य ज्ञान जिसमें सामयिक घटनाओं का ज्ञान तथा प्रति-दिन के प्रेक्षण और अनुभव की ऐसी बातों का वैज्ञानिक दृष्टि से ज्ञान भी सम्मिलित है जिसकी शिक्षित व्यक्ति से आशा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो । इस प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को विशेष अध्ययन के बिना ही आना चाहिए ।

भाग ख

मौखिक परीक्षा :—एक बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों की मौखिक परीक्षा ली जाएगी, बोर्ड के सामने प्रत्येक उम्मीदवार के कैरियर का वृत्त होगा, जिसमें सशस्त्र सेनाओं में उसकी सेवा का वृत्त भी शामिल होगा । उम्मीदवार से सामान्य रुचि के विषयों और उसके शैक्षिक अध्ययन के विषयों, तथा सशस्त्र सेनाओं के उसके अनुभवों के संबंध में प्रश्न पूछे जाएंगे । सक्षम और निष्पक्ष पर्यवेक्षकों के बोर्ड द्वारा सेवा के लिए उम्मीदवार की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना मौखिक परीक्षा का उद्देश्य है ।

2. मौखिक परीक्षा में पूरी तरह से प्रति परीक्षा (Cross Examination) की प्रणाली नहीं अपनाई जाती, बल्कि उम्मीदवार के ऐसे मानसिक गुणों का उद्घाटन करने के उद्देश्य से किए जाने वाले स्वाभाविक किन्तु साथ ही निर्दिष्ट और मोद्दर वार्तालाप की प्रणाली अपनाई जाती है, बौद्धिक उत्सुकता,

अज्ञोचनात्मक प्रेक्षण तथा ग्रहण-शक्ति, संतुलित निर्णय की शक्ति, और मानसिक सतर्कता, पहल, उपाय और नेतृत्व की क्षमता सामाजिक संगठन की योग्यता, मानसिक और शारीरिक शक्ति और व्यावहारिक ज्ञान की शक्ति, चारित्रिक निष्ठा, और अन्य गुण जैसे भौगोलिक ज्ञान, बाह्य प्राकृतिक जीवन के प्रति प्रेम और अज्ञात तथा अगम्य स्थानों को खोजने की इच्छा।

परिशिष्ट III

(नियम 23 के अनुसार)

परिशिष्ट में संक्षेप में सेवा की शर्तों का वर्णन किया गया है जो नियमित भारतीय वन सेवा परीक्षा द्वारा भर्ती किए गए उम्मीदवारों पर लागू हैं। जो उम्मीदवार इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किए जाएंगे उनकी वरिष्ठता और वेतन सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में जारी किए गए विशेष आदेशों के अनुसार विनियमित होंगे।

(क) नियुक्तियां परख पर की जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी और उसे बढ़ाया भी जा सकेगा; सफल उम्मीदवारों को परख की अवधि में, भारत सरकार के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य-कुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकती है।

(ग) परख-अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो, तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परख-अवधि को, अतना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्ति करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी, ऊपर खण्ड (ख) और (ग) के अन्तर्गत, सरकार की किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) भारतीय वन सेवा के अधिकारी, से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्तर्गत, भारत में या विदेश में किसी भी स्थान पर सेवाएं ली जा सकती हैं।

(घ) वेतन-मान—

जूनियर वेतन-मान :—र० 400-400-450-30-600-35-670-५० री०-35-950.

सीनियर वेतन-मान :—र० 700 (छठे वर्ष या उससे पहले)-40-1100-50/2-1250.

वनपाल :—र० 1300-60-1600-100-1800.

मुख्य-वनपाल :—र० 2000-125-2250.

वन-महानिरीक्षक :—अभी तक निर्धारित नहीं।

महंगाई भत्ता :—समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार मिलेगा। परखाधीन अधिकारियों की सेवा जूनियर समय में प्रारम्भ होगी और उन्हें परख पर बिताई गई अवधि को समय-मान में वेतन-वृद्धि छुट्टी या पेंशन के लिए गिनने की अनुमति होगी।

(छ) **भविष्य निधि** :—भारतीय वन सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (भविष्य निधि) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।

(ज) **छुट्टी** :—भारतीय वन सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (छुट्टी) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।

(झ) **डाक्टरी परिचर्या** :—भारतीय वन सेवा के अधिकारियों को अखिल भारतीय सेवा (डाक्टरी परिचर्या) नियमावली, 1954 के अन्तर्गत अनुमत्य डाक्टरी परिचर्या की सविधाएं पाने का हक है।

(ञ) **सेवा निवृत्ति लाभ** :—प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए भारतीय वन सेवा के अधिकारी, अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु-व सेवा-निवृत्ति लाभ) नियमावली, 1958 द्वारा शासित होते हैं।

परिशिष्ट IV

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

(नियम 20 के अनुसार)

(ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अभीष्ट शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य-परीक्षकों (Medical Examiners) के लिए भी सामान्य निर्देश हैं तथा जो उम्मीदवार उन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरी नहीं करता उसे स्वास्थ्य-परीक्षक स्वस्थ घोषित नहीं कर सकते। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित आवश्यकताओं के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह, लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार से यह सिफारिश कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सरकारी सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

2. किन्तु यह बात भली प्रकार समझ लेनी चाहिए कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।)

1. नियुक्ति के योग्य ठहराये जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उम्मीदवार में कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. **चलने की जांच**—उम्मीदवारों को 4 घंटे में पूर्ण होने वाली 25 किलोमीटर चलने की जांच में सफलता प्राप्त करनी होगी। वन-महानिरीक्षक, भारत सरकार द्वारा यह जांच करने की व्यवस्था इस प्रकार से की जाएगी कि वह स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की बैठकों के साथ-साथ ही हो।

3. (क) भारतीय (एंग्लो-इंडियन समेत) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेर के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर ही यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग-दर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेर में बिषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को योग्य अथवा अयोग्य करेगा।

(ख) कद और छाती के घेर का कम-से-कम मान नीचे दिया जाता है जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को मंजूर नहीं किया जा सकता।

कद	छाती का घेर (पूरा फैला कर)	फैलाव
सैं० मी०	सैं० मी०	सैं० मी
163	84	5 (पुरुषों के लिए)
150	79	5 (महिलाओं के लिए)

गोरखा, गढ़वाली, असमिया नागालैंड की आदिम जातियों आदि के उम्मीदवारों के लिए, जिनका औसत कद विशेष रूप से कम होता है, कम-से-कम निर्धारित कद में छूट दी जाती है।

4. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में नापा जाएगा।

वह अपने जूते उतार देगा और उसे माप-दंड (स्टैडड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन, सिवाए एड़ियों के पांवों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिंडलियां, नितंब और कंधे माप-दंड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटेक्स आफ दि हैड लेवल) हारिजेंटल बार (आड़ी छड़) के नीचे आ जाए। कद सैंटीमीटरों और आधे सैंटीमीटरों में नापा जाएगा।

5. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :-

उसे इस भांति सीधा खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह से लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लैड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर-एंगल्स) से लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं जिससे कि फीता न हिले। अब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से-अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम-से-कम और अधिक से अधिक फैलाव सैंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93.5 आदि। नाप को रिकार्ड करते समय आधे सैंटीमीटर से कम के भिन्न फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार का वजन भी लिया जाएगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम के फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

7. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :-

(i) सामान्य (जनरल)—किसी रोग या विलक्षणता (एबनार्मैलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार को ऐसा भेंगापन या आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कॉन्जिक्टिवा, स्लैन्डरिंग्स) का विकास होगा जिसे भविष्य में किसी भी समय सेवा के लिए उसके अयोग्य होने की सम्भावना हो तो उम्मीदवार को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ii) दृष्टि की परीक्षा (विजुअल एक्विटी)—दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिए दो जांचें की जाएंगी, एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग से परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक केस में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत में बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :-

दूर की नजर		नजदीक की नजर	
अच्छी आंख	खराब आंख	अच्छी आंख	खराब आंख
6/9	6/9	0.6	0.8
		अथवा	
6/6	6/12		

नोट :-

(1) प्रत्येक आंख में मायोपिया की कुल मात्रा (सिर्लिडर समेत)—4.00 से अधिक नहीं होगी। हाइपरमेट्रोपिया की कुल मात्रा सिर्लिडर समेत प्रत्येक आंख में—4.00 डी से अधिक नहीं होगी।

(2) फंडस परीक्षा—जब कभी सम्भव होगी मेडिकल बोर्ड की इच्छा पर फंडस परीक्षा की जाएगी और परिणाम रिकार्ड किए जाएंगे।

(3) कलर विजन—(i) रंगों के संबंध में नजर की जांच जरूरी है।

(ii) नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिए जो सेंटन के द्वारक (एपर्चर) के आकार पर निर्भर हों।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष	रंग के प्रत्यक्ष
	ज्ञान का उच्चतर ग्रेड	ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	4.9 मीटर	4.9 मीटर
2. द्वारक (एपर्चर) का आकार	1.3 मि० मीटर	1.3 मि० मीटर
3. दिखाते का समय	5 सैकंड	5 सैकंड

(iii) खाल सकेत, हरे सकेत और सफेद रंग को आसानी से आर हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोपजनक बलर विज्ञान है। इन्हें प्लेटों के इस्तेमाल को जिन्हे एडिज ग्रीन की लेटर्न जैमी उपयुक्त लेटर्न और अच्छे रोशनी में दिखाया जाना है, बलर विज्ञान की जाच करने के लिए बिल्कुल विश्वासनीय समझा जाएगा। वैसे तो दोनों जाचों में से किसी भी एक जाच को साधारणतया पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सड़क, रेल और हवाई यानायात से संबंधित सेवाओं के लिए लेटर्न से जाच करना लाजमी है। शक वाले मामलों में जब उम्मीदवार को किसी एक जाच करने पर आयोग्य पाया जाए तो दोनों ही तरीकों से जाच करनी चाहिए।

(4) **दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)**—सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि (कन्फ्रंटेशन मेथड) द्वारा पुष्टि क्षेत्र की जाच की जाएगी। जब ऐसी जाच का नतीजा असतोपजनक या सदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परिभाषी (पेरीमीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(5) **रतोधी (नाइट ब्लाइन्डनेस)**—केवल विशेष मामला को छोड़कर रतोधी को जाच नेमी रूप से जरूरी नहीं है, रतोधी या अंधेरे में दिखाई न देने की जाच करने के लिए कोई नियत स्टैंडर्ड टेस्ट नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में ले जाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि की पकड़ रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के अपने कथनों पर कभी भी विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

(6) **दृष्टि की पकड़ से भिन्न प्राण की अवस्थाएं (आक्यूलर कंडिशंस)**—(क) आख की उस बीमारी को या बढ़ती हुई बर्तन लुटि (प्रोप्रेसिव रिफ्रेक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की पकड़ के कम होने की सम्भावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) **रोहे (ट्रेकोमा)**—यदि रोहे जटिल न हो तो वे आम-तौर से अयोग्यता का कारण नहीं होंगे।

(ग) भेगापन (स्क्वट) द्विनेत्री (वाइनाकुलर) दृष्टि का होना लाजमी है। नियत स्टैंडर्ड की दृष्टि की पकड़ होने पर भी भेगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(घ) **एक प्राण वाले व्यक्ति**—नियुक्ति के लिए एक आख वाले व्यक्तियों की सिफारिश नहीं की जाती।

7. **रक्त-दाब (ब्लड प्रेशर)**—ब्लड प्रेशर के संबंध में बॉर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नामेल उच्चतम मिस्टालिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है।

(i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 + आयु होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन का सामान्य नियम यह है कि 110 में आधी आयु जोड़ दी जाये। यह तरीका बिल्कुल संतोपजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दीजिए—सामान्य नियम के रूप में 140 से ऊपर के सिस्टालिक प्रेशर का और 90 से ऊपर के डास्टालिक प्रेशर का सदिग्ध मान लेना चाहिये, और उम्मीदवार को योग्य या अयोग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने में पहले बॉर्ड को चाहिये कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिये कि घबराहट (एनसाइटमेट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कायिक (आर्गेनिक बीमारी) है [ऐसे सभी कसों में हृदय की एक्मरे और विद्युत् हल्लेखी (इलेक्ट्रोकार्डिया ग्राफिक)] परीक्षाएं और रक्त यंत्रिया निकास (लोगरेम) की जाच भी नेमी रूप से की जानी चाहिये। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त-दाब) लेने का तरीका ---

नियमत. पारे वाले दाबमापी (मर्करी मेनोमीटर) किस्म का आना (इस्ट्रुमेट) इस्तेमाल करना चाहिये। किमी किस्म के ध्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिये। रोगी बैठा या लेटा हो, बशर्ते कि वह और विशेष-कर उमकी भुजा शिथिल और आराम से हो। कुछ-कुछ हारिजेंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाता है। भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिये। कफ में से पूरी तरह हवा निकालर बीच को रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर और इसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाता चाहिये। इसके बाद कपड़े को पट्टी का फैला कर समान रूप से लपेटना चाहिये ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगंड धमनी (ब्रेकिअल आर्टरी) को दबा-दबा कर ढूँढा जाता है और तब इसके ऊपर बाँवों-बीच स्टैस्कोप को हल्के-से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाल जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनिया सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टालिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जायेगी तो ध्वनिया तेज सुनाई पड़ेगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनिया हल्की दबी हुई-सा लुप्तप्राय हो जाये, वह डायस्टालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिये क्योंकि कपल के लम्बे समय का दबाव रोगी को लिये क्षोभकार होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाता है। यदि दोबारा पड़ताल

करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाये। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर वे गायब हो जाती हैं और निम्नतर स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस 'साइलेंट गैप' से रीडिंग में गलती हो सकती है)।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किये गये मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिये और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिये। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके दूसरे सभी पटलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के छोटक चिह्नों और लक्षणों का भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार का ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाये तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अमधुमेही (नान डायबेटिक) हो और बोर्ड केस को मेडिसिन के किसी ऐसे निदिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ रेटर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जांच भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा, जिस पर मेडिकल बोर्ड की 'फिट' या 'अनफिट' की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिये बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिये यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाये।

9. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिये :—

- (क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिन्ह है या नहीं। यदि कोई कान की खराबी हो तो इसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिये। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य-क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता, बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो।
- (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।
- (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिये जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जायेगा)।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल और फेफड़े ठीक हैं या नहीं।
- (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
- (च) उसे रफचर (हानिया या फटन) है या नहीं।
- (छ) उसे हाइड्रोसील, बड़ी हुई वेरिकोसील, वेरिकोज शिरा (वेन) या ब्रवामीर है या नहीं ?

(ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और बिकोस अच्छा है या नहीं और उसकी संधियां भली भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।

(झ) उसे कोई चिरस्पाई स्वचा की बीमारी है या नहीं।

(ञ) उसे कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।

(ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।

(ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्प्यूनिकेबल) रोग है या नहीं।

10. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिये जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में नेमी रूप से छाती की ऐक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिये।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाये। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिये कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

नोट : उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त सेवाओं के लिये उनकी योग्यता का निर्धारण करने के लिये नियुक्त स्पेशल या स्टैंडिंग मेडिकल बोर्ड के खिलाफ उन्हें अपील करने का कोई हक नहीं है। किन्तु यदि सरकार को प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय की गलती की संभावना के संबंध में, प्रस्तुत किये गये प्रमाण के बारे में तसल्ली हो जाये तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने अपील की इजाजत दे सकती है। एसा प्रमाण उम्मीदवार को प्रथम मेडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने की तारीख के एक महीने के अंदर पेश करना चाहिये वरना दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जायेगा।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मेडिकल प्रमाण-पत्र पेश करे तो इस प्रमाण-पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जायेगा जब कि इसमें संबंधित मेडिकल प्रैक्टिशनर का इस आशय का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण-पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बाद ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिये मेडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके अस्वीकृत किया जा चुका है।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिये निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिये अपनाये जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा-काल (यदि हो) के लिये उचित गुंजाइश रखनी चाहिये।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिये योग्य नहीं समझा जायेगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्त प्राधिकारी (अपाईंटिंग अथॉरिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इनफॉर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिये अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

एह बात समझ लेनी चाहिये कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरंतर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थाई नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अवायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट किया जाये कि यहाँ प्रश्न केवल निरंतर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिये जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरंतर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिये किमी लेडी डॉक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जायेगा।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिये।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिये अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किये जाने के आधार उम्मीदवार को बताये जा सकते हैं किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उनका विस्तृत ब्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहाँ मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी भ्रिक्त्सा (औषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहाँ मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिये। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किये जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाये तो एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिये कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर से अयोग्य करार दिया जाये तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम-से-कम छः महीने से कम नहीं होनी चाहिये। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवारों को और आगे की अवधि के लिये अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिये उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिये अयोग्य है, ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिये।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :—

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिये और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिये। नीचे दिये गये नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिये।

1. अपना पूरा नाम लिखें
(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म-स्थान बताये

2(क). क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैंड आदिम जाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं, जिसका औसत कद दूसरों से कम होता है? 'हाँ' या 'नहीं'

में उत्तर दीजिये और यदि उत्तर 'हाँ' में है तो उस जाति का नाम बताइये।

3(क). क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियाँ (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौर, रूमेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है?

अथवा

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है?

4. आपको चेचक आदि का अंतिम टीका कब लगा था?

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अघीरता (नर्वसनेस) हुई है?

6. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरा दें।

यदि पिता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	यदि पिता की मृत्यु हो चुकी हो तो मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	--	---	--

यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	यदि माता की मृत्यु हो चुकी हो तो मृत्यु के समय उसकी आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	---	---	---

7 क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हाँ' हो तो बताइये किस सेवा/सेवाओं के लिये आपकी परीक्षा की गई थी ?

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था

10. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ?

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मासूम हो

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिये गये सभी जवाब सही और ठीक हैं ।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किये ।

बोर्ड के चेयरमैन के हस्ताक्षर

नोट—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिये उम्मीदवार जिम्मेदार होगा । जान-बूझ कर किसी सूचना को छुपाने से वह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाये तो वाधक्य निवृत्ति भत्ता (सुपरएनुएशन असाउंस) या उपदान (ग्रेजुटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा ।

(ख) की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट ।

1. सामान्य विक्रम : अच्छा बीच का
कम पोषण : पतला औसत मोटा
कब (जुते उतार कर) वजन
अत्युत्तम वजन कब था ? वजन में
कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन

तापमान

छाती का घेर

(1) पूरा साँस खींचने पर

(2) पूरा साँस निकालने पर

2. त्वचा—कोई जाह्श्री बीमारी

3. नेत्र

(1) कोई बीमारी

(2) रतौंधी

(3) भ्रमर विजन का दोष

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)

(5) दृष्टि की पकड़ (विजुअल एक्सिटी)

दृष्टि की पकड़	चश्मे के बिना	चश्मे से	चश्मे की पावर गोल सिलि० अक्ष
----------------	---------------	----------	------------------------------------

दूर की नज़र	दा० ने०		
	बा० ने०		
पास की नज़र	दा० ने०		
	बा० ने०		
हाइपरमेट्रोपिया (व्यक्त)	दा० ने०		
	बा० ने०		

4. कान : निरीक्षण सुनना

दायाँ कान बायाँ कान

5. ग्रंथियाँ थाइराइड

6. दाँतों की हालत

7. श्वसन तंत्र (रेस्पिरैटरी सिस्टम) क्या शारीरिक परीक्षा करने पर साँस के अंगों में किसी विलक्षणता का पता लगा है ? यदि पता लगा है तो विलक्षणता का पूरा ब्योरा दें ।

8. परिसंचरण तंत्र (सर्कुलेटरी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई आँगिक क्षति (आर्गेनिक लीजन) ?

गति (रेट) :

खड़े होने पर :

25 बार कुदाए जाने के बाद

कुदाए जाने के 2 मिनट बाद

(ख) ब्लड प्रेशर सिस्टोलिक

डायस्टोलिक

9. उदर (पेट) : घेर दाब वेदना (टेंडर-नेस)

हार्निया

(क) दबा कर मालूम पड़ना, जिगर

तिल्ली गुर्दे

ट्यूमर

(ख) बवासीर के मस्से

फिस्चुला

10. तांत्रिक तंत्र (नर्वस सिस्टम) तंत्र का या मानसिक अशक्तता का संकेत

11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम)

कोई विलक्षणता

12. जनन-मूत्र तंत्र (जेनिटो यूरिनरी सिस्टम) । हाइड्रोसेल, वैरिकोसेल आदि का कोई संकेत ।

मूल परीक्षा—

- (क) कैसा दिखाई पड़ता है
(ख) स्पेसिफिक ग्रेविटी (अपेक्षित गुरुत्व)
(ग) एल्ब्युमेन
(घ) शक्कर
(ङ) कास्ट
(च) केशिकाएं (सैल)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिसमें वह भारतीय धन सेवा की ड्यूटी की दक्षतापूर्वक निभाने के लिये अयोग्य हो सकता है ?

15. क्या वह भारतीय धन सेवा में दक्षतापूर्वक और निरंतर ड्यूटी निभाने के लिये सभी तरह से योग्य पाया गया है ?

नोट—बोर्ड को अपना जाँच-परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिये :

- (i) योग्य (फिट) ।
(ii) अयोग्य (अनफिट), जिसका कारण
(iii) अस्थायी रूप से अयोग्य, जिसका कारण

स्थान अध्यक्ष (चेयरमैन)
तारीख सदस्य
सदस्य

वित्त मंत्रालय (अर्थ विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1968

सं० एफ० 8 (18)-एन० एस०/68—दिल्ली के कार्यकारी पार्षद (वित्त) श्री अमर चन्द शुभ को दिल्ली के मुख्य कार्यकारी पार्षद श्री विजय कुमार मलहोत्रा के स्थान पर, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (अर्थ विभाग) के 6 सितम्बर, 1968 के संकल्प संख्या एफ० 8 (18) एम० एस०/68 के अनुसार पुनर्गठित राष्ट्रीय बचत केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है ।

बी० एम० राजगोपालन, अनु-सचिव

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1968

संकल्प

सं० 6/103/67-टेकम० (सी०)—भारत सरकार ने हथकरघा नियमित संवर्धन परिषद् के प्रणामन की प्रथम गमिति, जिसका गठन वाणिज्य मंत्रालय के संकल्प सं० 6/11/64 टेकम० (सी०) दिनांक 16 जून 1965 के अन्तर्गत किया गया था और जिसकी अवधि, सरकार के संकल्प सं० 6/103/67-टेकम० (सी०) दिनांक 1 जुलाई 1968 के द्वारा 15 दिसम्बर 1968 तक बढ़ायी गयी थी, की अवधि को तीन और महीनों

के लिये अर्थात् 15 मार्च 1969 तक बढ़ाने का निश्चय किया है ।

भाषण

आदेश दिया जाता है कि इन महीने का भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक-एक प्रति सभी सम्बन्धों को भेजी जाये ।

के० श्रीनिवासन्, उप-सचिव

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय

(सामुदायिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1968

संकल्प

सं० 11/1/67-सी० पी० एण्ड बी०—कुछ समय से यह अनुभव किया गया है कि सामुदायिक विकास के उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए उपयुक्त नीतियों के बारे में मंत्रालय को सलाह देने हेतु एक ऐसे राष्ट्रीय फोरम की स्थापना करने की आवश्यकता है जिसमें इस विषय के बारे में जानकारी रखने वाले विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हों । तदनुसार सामुदायिक विकास सम्बन्धी एक सलाहकार परिषद् स्थापित करने का निर्णय किया गया है ।

2 परिषद् का गठन निम्न प्रकार होगा :—

- (1) अध्यक्ष केन्द्रीय खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्री ।
- (2) उपाध्यक्ष खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय में केन्द्रीय राज्य मंत्री (सामुदायिक विकास विभाग के कार्य-भार) ।
- (3) सदस्य (1) खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय में केन्द्रीय उप-मंत्री ।
(2) सचिव (कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता), कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता विभाग, खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय ।
(3) अनिर्गमन सचिव (सा० वि०), सामुदायिक विकास विभाग, खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय ।

- (4) पंचायती राज पंजी, आन्ध्र प्रदेश सरकार, हैदराबाद ।
- (5) कृषि, पंचायत, जिनमे सामुदायिक विकास तथा सहकारिता शामिल है, के मंत्री, असम सरकार, शिलांग ।
- (6) पंचायत, सामुदायिक परि-योजनाएं, सहकारिता तथा कृषि मंत्री, गुजरात सरकार, अहमदाबाद ।
- (7) विकास मंत्री (सामुदायिक विकास तथा पंचायती राज के कार्यभारी), हरियाणा सरकार, चंडीगढ़ ।
- (8) सामुदायिक विकास तथा पंचायत मंत्री, केरल सरकार, त्रिवेंद्रम ।
- (9) योजना तथा विकास मंत्री (सामुदायिक विकास तथा पंचायती राज के कार्यभारी), मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल ।
- (10) स्थानीय प्रशासन मंत्री, मद्रास सरकार, मद्रास ।
- (11) ग्रामीण विकास मंत्री, महाराष्ट्र सरकार, बम्बई-32 ।
- (12) विकास, सहकारिता तथा पंचायती राज मंत्री, मैसूर सरकार, बंगलौर ।
- (13) लघुसंग्रह मामलों, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता के मंत्री, नागालैण्ड, सरकार, कोहिमा ।
- (14) सामुदायिक विकास तथा पंचायती राज मंत्री, उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर ।
- (15) सामुदायिक विकास मंत्री, राजस्थान सरकार, जयपुर ।
- (16) मुख्य मंत्री तथा सामुदायिक विकास के कार्यभारी मंत्री, गोवा, दमन तथा दीव, पनाजी ।
- (17) मुख्य मंत्री, त्रिपुरा, अगरतला ।
- (18) पंचायती राज तथा सामुदायिक विकास के कार्यभारी कार्य-कारी पार्षद, दिल्ली महानगर परिषद, दिल्ली ।
- (19) विद्यालय तथा विमानन प्रयोग, शिमला ।
- (20) सदस्य (कृषि) योजना आयोग, नई दिल्ली ।
- (21) बेगम अली जहीर, अध्यक्ष, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, नई दिल्ली ।
- (22) श्री जॉन बरनाक्स, निदेशक, दी सेंट्रल इंस्टीच्यूट आफ रिमर्च एण्ड ट्रेनिंग इन पब्लिक कोऑपरेशन सी०-1/4, सफदरजंग डेवेलपमेन्ट एरिया, नई दिल्ली-16 ।
- (23) श्री राजेश्वर पटेल, महा सचिव, अखिल भारतीय पंचायत परिषद, ए-23, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली ।
- (24) डीन, राष्ट्रीय सामुदायिक विकास संस्थान, राजेन्द्र नगर, हैदराबाद ।
- (25) श्रीमती के० लक्ष्मी रघु रमैया, अवैतनिक महा सचिव, आल इण्डिया वीमेन्स कांफ्रेंस, सरोजनी हाऊस, 6 भगवान बास रोड, नई दिल्ली-1 ।
- (26) श्री विश्वनारायण शारदा, संसद सदस्य ।
- (27) श्री भोला रौत, संसद सदस्य ।
- (28) चौधरी रणधीर सिंह, संसद सदस्य ।
- (29) श्री समरेन्द्र कुन्दु, संसद सदस्य ।
- (30) श्री ओम मेहता, संसद सदस्य ।
- (31) श्री टी० एस० अविनाशी-लिंगम, श्री रामकृष्ण मिशन विद्यालय, डाकखाना श्री रामकृष्ण विद्यालय, जिला कोयम्बटूर, दक्षिण भारत ।
- (32) श्री एन० एस० कजरोलकर, 21वीं रोड, खार, बम्बई-52 ।
- (33) श्री बी० पी० नागराजमूर्ती, रागीबोमनाहाली, तालुक

- मालावाली, जिला मंडया,
मैसूर राज्य ।
- (34) श्री एल० इल्यापेरुमल,
अध्यक्ष, कमेटी आन अनट-
चेबिलिटी एण्ड इक्नासिक
एण्ड एजुकेशनल डेवेलपमेन्ट
आफ शङ्खुल्ड कास्टस, कमरा
नं० 68, 'एम०' ब्लाक, नई
दिल्ली ।
- (35) डा० एल० एम० सिधवी,
20, महादेव रोड, नई
दिल्ली-1 ।
- (36) प्रो० वी० के० एन० मेनन,
'प्लेन व्यू' सेन्ट्रल स्टेडीयम के
निकट, त्रिवंद्रम ।
- (37) श्रीमती मीलादेवी आर०
प्रसाद, सी०-30/1, रेलवे
लाइन रोड, नेहरू नगर,
बंगलौर-20 ।
- (38) श्री एन० रामचंद्र रेड्डी, एम०
एल० ए०, 3-6-190,
हैदरगुडा, हैदराबाद ।
- (39) श्री डी० एल० मजुमदार,
अध्यक्ष, वेस्ट बंगाल इंस्टीट्यूट
डेवेलपमेन्ट कारपोरेशन लि०,
एम्स० 26 हीज खाम, नई
दिल्ली-16 ।
- (40) श्री विमल कुमार चौरडिया,
भानपुरा, जिला मंदसौर (मध्य
प्रदेश) ।
- (41) श्रीमती राविनी निगम, 13,
रवावगंज रोड, नई दिल्ली ।
- (42) श्री जी० चंद्रशेखरम, 3-6-471,
हिमायत नगर, हैदराबाद-29 ।
- (43) श्री नारायण दत्त तिवारी,
संयोजक, इण्डियन यूथ काँग्रेस,
7 जतर मंतर रोड, नई
दिल्ली ।
- (44) श्री आर० केशिंग, डाक-
खाना मंत्रीपुखारी, इम्फाल
(मनीपुर) ।
- (45) श्री ब्रह्मकुमार भट्ट, एडवोकेट,
2237, बुआनी पोल, रायपुर,
अहमदाबाद-1 ।

(4) सदस्य सचिव संयुक्त सचिव (पी०), सामुदायिक
विकास विभाग, खाद्य, कृषि,
सामुदायिक विकास तथा सह-
कारिता मंत्रालय ।

3. परिषद के कार्य ये होंगे :—

- (क) सामुदायिक विकास से सम्बन्धित समस्याओं तथा
उनके हल के बारे में केन्द्र तथा राज्यों को सलाह
देना;
- (ख) सामुदायिक विकास कार्यक्रम की क्रियान्विति,
विशेष कर कार्यवाही के सघन कार्यक्रमों के संदर्भ
में हुई प्रगति, की समय-समय पर समीक्षा करना
और अपेक्षित सुधारों के लिए उपायों की सिफारिश
करना; और
- (ग) आर्थिक विकास तथा सामुदायिक कार्यवाही दोनों
ही की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए
सामुदायिक विकास कार्यक्रम के लिए पर्याप्त साधन
और जन सहयोग प्राप्त कराने के निमित्त अपेक्षित
उपायों के बारे में केन्द्र तथा राज्यों को सलाह
देना ।

4. परिषद के सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष होगा ।

5. परिषद् अपनी बैठक उत्तरी बार बुलाएगी जितनी
बार आवश्यक होगी, पर वर्ष में दो बार अवश्य बुलाएगी ।

आदेश

आदेश है कि इस संकल्प की प्रति सभी सम्बन्धितों को भेजी
जाए ।

यह भी आदेश है कि इस संकल्प को आम जानकारी के लिए
भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

आई० डी० एन० राठी, अतिरिक्त सचिव

सिचार्ड व बिजली मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1968

संकल्प

स० बिजली दो 34(45)/66—उदयपुर में 2 फरवरी
1968 को हुई उत्तरी प्रादेशिक परिषद् की 10वीं बैठक में,
अन्य बातों के साथ-साथ यह भी फैसला किया गया था कि उत्तरी
क्षेत्र के बिजली बोर्ड में एक सदस्य के रूप में चण्डीगढ़ प्रशासन
का भी प्रतिनिधित्व होना चाहिए और हिमाचल प्रदेश के मुख्य
सचिव के स्थान पर वहाँ के मुख्य अभियंता को सदस्य नियुक्त
होना चाहिए । इस फैसले के अनुसार उत्तरी क्षेत्र के बिजली
बोर्ड के गठन से संबंध इस मंत्रालय के संकल्प सं० ई० एल०-
2-35(3)/63, दिनांक 13 फरवरी 1964 जिसका संशोधन
इस मंत्रालय के संकल्प सं० ई० एल०-2-34(27)/66,
दिनांक 5 अगस्त 66, और संकल्प सं० ई० एल०-2-34(45)/
66, दिनांक 13 सितम्बर 1967, 12 जून 1968 और 20

सितम्बर 1968 द्वारा किया गया है, के पैरा 2 को निम्नलिखित रूप से पुनः निर्मित किया जाता है :—

- (1) जम्मू व काश्मीर के निर्माण, सिंचाई व बिजली के कार्यभारी राज्य मंत्री अथवा उनका कोई प्रतिनिधि ।
- (2) अध्यक्ष, पंजाब राज्य बिजली बोर्ड ।
- (3) अध्यक्ष, राजस्थान राज्य बिजली बोर्ड ।
- (4) अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड ।
- (5) अध्यक्ष, दिल्ली बिजली सम्भरण समिति ।
- (6) अध्यक्ष, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड ।
- (7) अध्यक्ष, भाखड़ा प्रबन्धक बोर्ड ।
- (8) मुख्य अभियंता, बहुद्देशीय परियोजना और बिजली विभाग, हिमाचल प्रदेश ।
- (9) बिजली कार्यों के कार्यभारी मुख्य अभियंता, चण्डीगढ़, प्रशासन ।
- (10) केन्द्रीय बिजली प्राधिकार का एक प्रतिनिधि ।
- (11) सदस्य-सचिव ।

पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, जम्मू व काश्मीर, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और भाखड़ा प्रबन्धक बोर्ड के सदस्य बारी-बारी से एक वर्ष की अवधि के लिए अध्यक्ष होंगे ।

प्रादेश

आदेश दिया जाता है कि उपर्युक्त संकल्प जम्मू व काश्मीर, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा की सरकारों, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और चण्डीगढ़ के संघीय प्रदेशों, भाखड़ा प्रबन्धक बोर्ड, भारत सरकार के मन्त्रालयों, प्रधान मंत्री सचिवालय,

राष्ट्रपति के सचिव, योजना आयोग और भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक के पास भेजा जाए ।

यह आदेश भी दिया जाता है कि इस संकल्प को आम सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

के० पी० मथानी, सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1968

म० वि० का० पात्र०-511(39)/68—इस मन्त्रालय के संकल्प स० वि० का० पात्र०-511(39)/68, दिनांक 19 नवम्बर, 1968 के कंडिका 2 में निम्नलिखित उप-कंडिका जोड़ दी जाए,—

"इस समिति को, अपने अध्ययन के सम्बन्ध में, जब कभी आवश्यकता पड़े तो, भारत सरकार और पश्चिम बंगाल के संबंधित अधिकारियों को सहयोगित करने का अधिकार है ।"

प्रादेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रतिलिपि पश्चिम बंगाल सरकार/भारत सरकार के सभी मन्त्रालयों/प्रधान मंत्री सचिवालय/राष्ट्रपति के निजी व सैनिक सचिव/भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक/योजना आयोग को सूचनाार्थ भेजी जाए ।

यह आदेश भी दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए और पश्चिम बंगाल की राज्य सरकार से कहा जाए कि वे भी आम सूचना के लिए राज्य के राजपत्र में उसे प्रकाशित कर दें ।

आर० पी० आहूजा, सयुवन सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 16th December 1968

No. 79-Pres./68.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Himachal Pradesh Police :—

Name of the officer and rank

Shri Jago Ram,
Constable No. 378,
1st Battalion, Himachal Pradesh Armed Police.
Himachal Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 4th February, 1968, Shri Jago Ram was accompanying the Commandant of the 1st Battalion, Himachal Pradesh Armed Police, in a jeep to Rampur. Near Nirth, they found that a platform pillar of the ropeway trolley on the left bank of river Sutlej had suddenly started falling towards the river due to the loosening of its foundation by heavy rains. Two women were caught inside the trolley which was stuck to the masonry pillar which was tilted precariously and was expected to crash down in the river at any moment. Three men who tried to assist the women had slipped in the deep gap caused by the dislodgement of the boulder on which the foundation of the pillar rested and had only escaped death miraculously. The women in the trolley were wailing and crying for help. On seeing this Shri Jago Ram, in disregard of his own life, scaled the pillar and brought out the two women from the trolley and so saved their lives.

Shri Jago Ram displayed great courage and gallantry in saving the lives of the women at the risk of his own.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 4th February, 1968.

The 17th December 1968

No. 80-Pres./68.—The President is pleased to approve the award of the MAHA VIR CHAKRA for acts of gallantry to :—

Lieutenant-Colonel MAHATAM SINGH (IC-10690),
Jammu and Kashmir Rifles.

(Effective date of award—1st October, 1967)

Lieutenant-Colonel Mahatam Singh was commanding a battalion of Jammu and Kashmir Rifles in the Cho La area during the period from the 23rd June to 14th October 1967, when there was constant tension and provocation from the Chinese forces who were at places very close to our troops. Despite difficult terrain and weather conditions, the troops under his able leadership carried out their task commendably. Lieutenant-Colonel Mahatam Singh always kept a firm grip over the situation. On the 1st October 1967, when the enemy launched a sudden attack on our positions, Lieutenant-Colonel Mahatam Singh reached the scene after an arduous march and restored the situation almost instantaneously and also established physical contact with one of our positions which had borne the brunt of the fighting.

Throughout, Lieutenant-Colonel Mahatam Singh displayed exemplary courage, leadership and devotion to duty.

No. 81-Pres./68.—The President is pleased to approve the award of the KIRTI CHAKRA for conspicuous gallantry in the Mizo Hills area to the undermentioned :—

1. 27152 Subedar CHALHNUNA LUSHAI,
Assam Rifles

(Effective date of award—24th February 1967)

On the 24th February 1967, Subedar Chalhnuna Lushai was detailed to raid and capture a hostile camp at a village in Mizo Hills. When his platoon was about 50 yards from the hostile camp, it was held up by continuous Light Machine Gun and Rifle fire. Subedar Lushai crawled up to the hostiles' position at great personal risk and threw a hand-grenade on the LMG position and thus silenced it, which enabled his platoon to achieve its objective. The platoon destroyed the hostile camp, killing 3 hostiles and capturing arms and ammunition.

In this action, Subedar Chalhnuna Lushai displayed exemplary courage and leadership.

2. Captain ALLAH NOOR KATHAT (EC-57412),
Assam Rifles. (Posthumous)

(Effective date of award—2nd July 1967)

Captain Allah Noor Kathat was commanding a wing of a battalion of Assam Rifles in the Mizo Hills in April 1967. In a very short period, he was able to restore confidence in general public in that area. On the 2nd July 1967, when he was informed by a villager that three hostiles had been seen near a village church demanding food and shelter from the villagers, he immediately took out a patrol to deal with the hostiles. While the patrol was on its way back to its post, Captain Kathat was interrupted by the villager who had given the information earlier but the interruption was actually intended to mark out Captain Kathat as the main target. The hostiles who had taken up ambush positions in the thick jungle opened small arms fire on the patrol. Although Captain Kathat was seriously wounded, he killed the hostile informer and rushed upon the hostile gang ordering his men to follow him. During this encounter, Captain Kathat received two more bullet wounds but notwithstanding this he continued to encourage his men to engage the hostiles. The hostiles became un-nerved and fled, leaving behind 3 dead, one gun and a large quantity of ammunition. Captain Kathat succumbed to his injuries.

Throughout, Captain Allah Noor Kathat displayed exemplary courage, determination and leadership.

No. 82-Pres./68.—The President is pleased to approve the award of the VIR CHAKRA for acts of gallantry in the Cho La area to the undermentioned :—

1. JC-24059 Subedar WARYAM SINGH,
Jammu and Kashmir Rifles.

(Effective date of award—1st October 1967)

Subedar Waryam Singh was commanding a platoon of a battalion of Jammu and Kashmir Rifles in the Cho La area. On the 1st October 1967, when the Chinese forces opposite our positions suddenly opened fire with heavy machine guns and recoilless guns, Subedar Waryam Singh immediately ordered his men to fire back at the Chinese forces. Despite heavy enemy fire, he moved from one position to another instilling confidence in his men. At times, he himself engaged the Chinese forces with his sub-machine gun and foiled their attempts to over-run his position despite heavy casualties on his side.

Throughout, Subedar Waryam Singh displayed courage, leadership and devotion to duty.

2. 13717044 Havildar NARINDER SINGH,
Jammu and Kashmir Rifles. (Posthumous)

(Effective date of award—1st October 1967)

Havildar Narinder Singh was serving with a platoon of a battalion of Jammu & Kashmir Rifles in the Cho La area in October 1967. On the 1st October 1967, when the Chinese forces suddenly opened fire with heavy machine-gun and recoilless guns at our positions, Havildar Narinder Singh whose section was deployed only a few yards away from the Chinese position, rushed forward to a stone wall and started hurling grenades at the Chinese forces and also encouraged

his men to put up a stiff resistance. While doing so, he was shot in the head and succumbed to his injuries.

In this action, Havildar Narinder Singh displayed courage and determination.

3. 9404031 Havildar TINJONG LAMA,
Gorkha Rifles.

(Effective date of award—1st October 1967)

Havildar Tinjong Lama was commanding a recoilless gun detachment in the Cho La area on the 1st October 1967. When the Chinese forces opened heavy machine-gun fire on our posts, Havildar Lama brought his recoilless gun promptly into action and destroyed a Chinese heavy machine-gun post. Although his detachment suffered casualties, he manned his recoilless gun single-handed and damaged another Chinese machine gun.

In this action, Havildar Tinjong Lama displayed courage and determination.

4. 13727452 Rifleman GAGAN CHAND,
Jammu and Kashmir Rifles. (Posthumous)

(Effective date of award—1st October 1967)

Rifleman Gagan Chand was serving in a battalion of Jammu & Kashmir Rifles, which was involved in the fighting in the Cho La area on the 1st October 1967. When the Chinese opened heavy machine-gun and recoilless gun fire on his position, he, disregarding personal safety, rushed to a nearby post, picked up the light machine-gun and effectively fired on the Chinese killing 5 of them. He continued to fire till he was fatally wounded and fell at his post fighting to the last.

In this action, Rifleman Gagan Chand displayed courage, determination and devotion to duty.

5. 9409060 Rifleman DEBI PRASAD LIMBU,
Gorkha Rifles. (Posthumous)

(Effective date of award—1st October 1967)

Rifleman Debi Prasad Limbu was the forward sentry in a platoon post in the Cho La area on the 1st October 1967. When the Chinese suddenly opened fire with heavy machine-gun, mortars, rocket launcher, rifles, LMGs and grenades, he kept on firing at the Chinese. After he had finished his ammunition, he took out his khukri and charged the Chinese and killed about five Chinese soldiers before he was himself killed.

In this action, Rifleman Debi Prasad Limbu displayed courage and determination.

6. 1190652 Gunner (ORA) S. PAKKIR MOHAMMED,
Artillery.

(Effective date of award—1st October 1967)

Gunner S. Pakkir Mohammed was signaller in the observation party at Cho La on the 1st October 1967, when, due to sudden Chinese heavy fire, the observation post line got out and the signal NCO, who was bringing up the remote control was hit by enemy mortar fire, Gunner S. Pakkir Mohammed immediately jumped out of his trench and rushed forward to his comrade who was seriously wounded and removed him to safety. Thereafter he restored the communication. When the line was again cut he once again jumped out of the trench and repaired the line, but by this time due to a direct mortar hit on the observation post, the radio-set and telephones had been blown up. He, however, maintained the single telephone line which was repeatedly being cut by Chinese Mortar fire.

In this action, Gunner S. Pakkir Mohammed displayed courage and devotion to duty.

No. 83-Pres./68.—The President is pleased to approve the award of the SHAURYA CHAKRA for acts of gallantry to :—

1. 15563 Havildar HARKA BAHADUR THAPA,
Assam Rifles.

(Effective date of award—1st May 1967)

On the 7th April 1967, while Havildar Harka Bahadur Thapa was engaged in siting his ambush party in an area

in Mizo District, he came across an armed hostile scout. He pounced upon the hostile and seized his weapon and ammunition. On the 30th April 1967, Havildar Thapa was ordered to lead a 15 man patrol and lay an ambush. To achieve surprise, he took a circuitous route through thick jungle and along with 3 other ranks, took up a position a little ahead from his main party. The next day, he observed a group of 3 or 4 men moving from the direction of the Dhauleswari river, which aroused his suspicion. He deployed his small party skillfully and attacked the hostiles who had settled down in a place at the outskirts of the village to confer. He killed one hostile and captured another. In the ensuing combing operation, Havildar Thapa captured two leaders of hostiles, some arms and a number of important documents.

In this action, Havildar Harka Bahadur Thapa displayed courage and initiative.

2. No. 16930 Naik URBADUTTA CHHETRI,
Assam Rifles.

(Effective date of award—16th June 1967)

On the night of the 16th/17th June, 1967, Mizo hostiles kidnapped a large number of Government servants and loyal citizens from Aijal township. Naik Uradutta Chhetri was a section Commander of one of the parties which was ordered to comb the surrounding area. While the patrol was conducting a search, Naik Chhetri saw a wisp of smoke curling up from one of the deserted huts. Before the hut could be assaulted, the hostiles became aware of the presence of the patrol and tried to escape under cover of fire. Naik Chhetri with two other ORs, quickly moved to the rear of the hostiles' position and got advantage point, but unfortunately found his sten-gun jammed at the most crucial moment. But before the hostile runner could open fire he pinned him down and captured him along with his LMG. Naik Chhetri's other two companion who arrived at the spot quickly tackled other hostiles and captured arms, a hand-grenade and a good deal of ammunition.

In this action, Naik Uradutta Chhetri displayed courage and determination.

3. Second Lieutenant PRATAP RANA (IC-17508),
Bihar Regiment.

(Effective date of award—6th August 1967)

On the 5th August 1967, 2nd/Lt. Pratap Rana was ordered to proceed with a patrol of 18 men to locate a hostile gang approximately 200 strong in an area in Manipur who were reported to be in possession of 9 LMGs, about 100 rifles and several other weapons. On the 6th August 1967, on receiving information about the gang in a village 2nd/Lt. Rana immediately set out for that place and was able to locate the gang. He approached close to the village and opened fire on the gang who were taken by complete surprise. During the encounter the leader of the gang was killed, which demoralised the hostiles who fled. 2nd/Lt. Rana pursued them killing some more and forcing the others to leave Manipur State.

In this action, Second-Lieutenant Pratap Rana displayed cool courage, determination and leadership.

4. No. 2561904 Sepoy RAJI,
Madras Regiment.

(Effective date of award—29th September 1967)

Sepoy Raji was on water duty at the river Sutele at Hussainiwala on the 29th September 1967. A Pakistani suspect apprehended by the Border Security Force was unshackled and permitted to drink water from the river. The prisoner suddenly jumped into the river, which was in high spate, and started swimming down-stream towards the Pakistan side. Although the Security Force Guard fired two rounds at the escaping prisoner, these proved ineffective. Sepoy Raji who was standing on the bank of the river some distance down-stream, noticed this and realising that something was wrong immediately jumped into the swift flowing river, overtook the escaping prisoner grappled with him and finally overpowered him and handed him over to the Security Guard.

Sepoy Raji displayed cool courage, initiative and determination.

5. JC-32917 Naib Subedar MAN SINGH,
Jat Regiment.

(Effective date of award—27th December 1967)

Naib Subedar Man Singh was point platoon commander of a column of a company of the Jat Regiment in Mizo Hills in December 1967. On the 27th December 1967, his column clashed with hostiles near Assam-Burma border. The hostile camp sentry fired on our scout and killed him. On seeing this, Naib Subedar Man Singh assaulted the hostile camp with his platoon which came under hostile fire. He led his men boldly and rushed to the hostile LMG which was firing at them. He received 3 LMG bursts in his left shoulder but he forced the hostile LMG to withdraw to the rear.

In this action, Naib Subedar Man Singh displayed courage and leadership.

6. No. 2642140 Naik JATIA RAM,
Grenadiers.

(Posthumous)

(Effective date of award—31st January 1968)

On the 31st January 1968, at approximately 1645 hours, a battalion of Grenadiers was marching to concentration area in Sela area in NEFA for taking part in the Corps exercise. The battalion took a short cut down the hill-side and arrived at a lower alignment of the road near the junction of two big streams. Because of the roar of the stream and no sentry being encountered on the route taken by the battalion, the battalion was unaware of a bulldozer working on a new alignment about 600 metres above. While Naik Jatia Ram's company was negotiating a point, the sound of the falling stones was heard. Naik Jatia Ram immediately shouted to his section to seek cover of the hill-side. He physically pushed some of the men of his section towards the hill-side and in so doing he was delayed in seeking safety for himself and was mortally injured as a result of which he died later.

Throughout, Naik Jatia Ram displayed cool courage and initiative.

No. 84-Pres./68.—The President is pleased to approve the award of the "SENA MEDAL"/"ARMY MEDAL" to the undermentioned personnel for acts of courage :—

1. JC-30458 Naib Subedar CHITRA BAHADUR
GURUNG,
Gorkha Rifles.

Naib Subedar Chitra Bahadur Gurung was commanding a platoon of Assam Rifles in the Mizo Hills area. On the 26th May 1967, he was ordered to capture and destroy a hostile camp. Due to heavy firing by the hostiles, his platoon was held up about 100 yards short of the objective. Undaunted, he immediately charged the hostile position and with the help of his men was able to capture the hostile position, killing 2 hostiles on the spot and capturing one along with arms and ammunition.

In this action, Naib Subedar Chitra Bahadur Gurung displayed courage and determination.

2. No. 18104 Lance Naik YAM BAHADUR BHAN-
DARI,
Assam Rifles.

On the 4th November 1967, Lance Naik Yam Bahadur Bhandari was the leading scout of a platoon patrol in Mizo District. When he reached the outskirts of a village, he noticed about 20 armed hostiles 500 yards ahead of him. The hostile sentry immediately raised an alarm by firing warning bursts. Realising that the hostiles would run away under the cover of fire he charged the hostiles with his section following him. Un-nerved by sudden assault, the hostiles started running in different directions. Lance Naik Bhandari with his men chased them and finding that 3 armed hostiles had jumped down a steep cliff side, himself followed suit and wounded a hostile who dropped his LMG and escaped. During the course of a subsequent search, a dead body of a hostile was also recovered from the area from where the hostile LMG was captured.

In this action, Lance Naik Yam Bahadur Bhandari displayed courage and initiative.

3. 16021 Lance Naik BUDHIMAN SARKI,
Assam Rifles.

On the night of 27th/28th June, 1967, Lance Naik Budhiman Sarki was commanding a section which formed part of the patrol that raided an area in Aijal to deal with a hostile intrusion. He was ordered to take a small patrol to reconnoitre some caves in the area where the hostiles could seek shelter. While moving with two other men, he suddenly met the leader of 5 armed hostiles who were running away. The hostile leader attempted to shoot his way out as a result of which Lance Naik Sarki received bullet injuries in both hands. Despite being wounded, he engaged the hostile leader in a hand-to-hand fight and succeeded in killing him.

Throughout, Lance Naik Budhiman Sarki displayed courage and determination.

4. 18079 Rifleman DHAN BAHADUR CHHETRI,
Assam Rifles.

On the 2nd July 1967, Rifleman Dhan Bahadur Chhetri was a member of the patrol which was taken out to deal with a reported hostile intrusion into a village in Mizo Hills. After completing the search of the village and its surrounding area, while the patrol was on its way back to the post, it was fired upon by a party of about 20 armed hostiles. In the very opening burst, Rifleman Chhetri was wounded, but notwithstanding this, he followed his patrol leader to charge the hostiles, firing his machine-gun from the hip. This brave action so unnerved the hostiles that they fled leaving arms and ammunition and 3 dead.

In this action, Rifleman Dhan Bahadur Chhetri displayed courage and determination.

5. 181991 Rifleman NGURKHUMA LUSHAI,
Assam Rifles.

On the 14th March 1967, Rifleman Ngurkhuma Lushai was a member of a patrol which was sent out to search for hostiles who were reported to have been concentrating in a village in the Mizo Hills. He was leading scout of the patrol when it was fired upon by hostiles from close range. He realised that the only way to save the patrol was to launch an immediate assault on the hostiles. He alone assaulted the hostile position and was later joined by the second scout. As a result of the prompt action, the hostiles were completely discouraged and fled into the jungle, leaving behind two rifles and some ammunition.

In this action, Rifleman Ngurkhuma Lushai displayed courage and determination.

NAGENDRA SINGH, Secy. to the President

LOK SABHA SECRETARIAT

New Delhi-1, the 20th December 1968

No. 50/1/CI/68.—The following members of Lok Sabha and Rajya Sabha have been elected as Members of the Committee in the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes for a term of two years beginning from the 18th December, 1968 :—

Chairman

1. Shri D. Basumatari.

Members

Lok Sabha

2. Shri P. C. Adichan.
3. Sardar Buta Singh.
4. Shri Benoy Krishna Daschowdhury.
5. Shri Tulsiram Dashrath Kamble.
6. Shri Baij Nath Kureel.
7. Shri V. Mayavan.
8. Shri Meetha Lal Meena.
9. Shrimati Minimata Agam Dass Guru.
10. Shri Dahyabhai Parmar.
11. Shri Nanubhai N. Patel.
2. Shri Ramji Ram.
3. Shrimati B. Radhabal Ananda Rao.
1. Shri Bhola Raut.

15. Chawdhury Sadhu Ram.
16. Shri B. Shankaranand.
17. Shri Suraj Bhan.
18. Shri G. G. Swell.
19. Shri Ramchandra Ulaka.
20. Shri R. S. Vidyarthi.

Rajya Sabha

21. Shri M. V. Bhadram.
22. Shri Ganeshi Lal Chaudhary.
23. Shri K. S. Chavda.
24. Shri B. T. Kempraj.
25. Shri B. D. Khobaragade.
26. Shri Dayaldas Kurre.
27. Shri Lokanath Misra.
28. Shri Neki Ram.
29. Shri E. M. Sangma.
30. Shri Man Singh Varma.

M. C. CHAWLA, Dy. Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

RESOLUTION

New Delhi-11, the 20th December 1968

Central Board on Civilian Rifles Training Scheme

No. F. 34/6/68-P.IV.—In partial modification of the Ministry of Home Affairs Resolution No. F. 25/3/67-P.IV, dated the 29th June 1967, the Government of India hereby appoints the Minister in the Ministry of Home Affairs as the Vice-Chairman of the Central Board on Civilian Rifle Training Scheme and reconstitutes the Board to that extent.

ORDER

ORDERED that the above be published in the Gazette of India.

B. VENKATARAMAN, Jt. Secy.

RULES

New Delhi, the 4th January 1969

No. 4/75/68-AIS(IV).—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in July, 1969, for selection of Released Emergency Commissioned Officers/Short Service Commissioned Officers who were Commissioned in the Armed Forces after 1st November, 1962, for the purpose of filling vacancies reserved for them in the Indian Forest Service are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Scheduled Castes/Tribes Lists (Modification) Order, 1956, read with Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1956, and the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964 and the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967.

D-10622

20-8-69

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix II to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. Subject to the provisions of these Rules, all Emergency Commissioned Officers/Short Service Commissioned Officers who were commissioned in the Armed Forces after 1st November, 1962, and who have been released during 1968, or during 1969 prior to the date of this notification, or are due to be released thereafter till the end of 1969, will be eligible to appear at this examination.

Provided that Emergency Commissioned Officers/Short Service Commissioned Officers commissioned in the Armed Forces after 1st November, 1962, who were released prior to 1968 shall be eligible to appear at this examination in accordance with the provisions of Rule 8.

NOTE 1.—For the purpose of these Rules, "release" means :

- (i) actual release according to a phased programme in the case of Emergency Commissioned Officers,
- (ii) actual release at the end of the tenure of their service in the case of Short Service Commissioned Officers,
- (iii) invalidment owing to a disability attributable to or aggravated by military service,

from the Armed Forces after a spell of service, and not during or at the end of training, or during or at the end of Short Service Commission granted to cover the period of such training prior to being taken in actual service, nor does it cover cases of officers released on account of misconduct, or inefficiency or at their own request.

NOTE 2.—The candidature of a person is liable to be cancelled, if after submitting his application, he is granted permanent Commission in the Armed Forces, or he resigns from the Armed Forces, or he is released therefrom on account of misconduct, inefficiency or at his own request.

NOTE 3.—Engineers and Doctors employed under the Central Government or State Governments or Government owned industrial undertakings who are required to serve in the Armed Forces for a minimum prescribed period under the Compulsory Liability Scheme and who are granted Short Service Commission under the relevant rules during the period of such service will not be eligible for admission to this examination.

NOTE 4.—Officers belonging to the Volunteer Reserve Forces and called upon for temporary service will not be eligible for admission to this examination.

5. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Nepal, or
- (d) a subject of Bhutan, or
- (e) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (f) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Ceylon, and the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (c), (d), (e) and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates belonging to any one of the following categories :—

- (i) Persons who migrated to India from Pakistan before the nineteenth day of July, 1948, and have ordinarily been residing in India since then.
- (ii) Persons who migrated to India from Pakistan on or after the nineteenth day of July, 1948, and have got themselves registered as citizens under Article 6 of the Constitution.
- (iii) Non citizens in category (f) above who entered service under the Government of India before the commencement of the Constitution, viz., 26th January, 1950, and who have continued in such service since then. Any such person who re-entered or may re-enter such service with break after the 26th January, 1950, will however require certificate of eligibility in the usual way.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

6. (a) A candidate must not have attained the age of 24 years on the 1st July of the year in which he joined the pre-commission training in the Armed Forces or got the Commission (where there was only post Commission training).

(b) The age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January 1964;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January, 1964;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Pondicherry and has received education through the medium of French at some stage;
- (v) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda or the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) ;
- (ix) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

- (xi) up to a maximum of three years in the case of defence services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of defence services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes;
- (xiii) up to a maximum of three years if a candidate who joined the pre-Commission training in the Armed Forces or got the Commission (where there was only post-Commission training), in 1963, is a *bona fide* displaced person from Pakistan;
- (xiv) up to a maximum of eight years if a candidate who joined the pre-Commission training in the Armed Forces or got the Commission (where there was only post-Commission training), in 1963, belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from Pakistan;
- (xv) up to a maximum of four years if a candidate, who joined the pre-Commission training in the Armed Forces or got the Commission (where there was only post-Commission training), in 1963 or 1964 or 1965, is a resident of the Andaman and Nicobar Islands; and
- (xvi) up to a maximum of three years if a candidate, who joined the pre-Commission training in the Armed Forces or got the Commission (where there was only post-Commission training), in 1963 or 1964 or 1965, is an Indian citizen and is a repatriate from Ceylon.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED

7. No candidate shall be permitted to compete more than two times at the examination, the restriction being effective from the examination held in 1968.

NOTE.—A candidate shall be deemed to have competed at the examination if he actually appears in *any* one or more subjects.

8. Subject to the provisions of these Rules, a candidate must take the examinations held in the year of his release and in the year following the year of his release, as his first and second chances respectively.

Provided that

- (i) a candidate released prior to 1968 may take the examination to be held in 1969 as his second chance; and
- (ii) a candidate invalided owing to a disability attributable to or aggravated by military service, during 1968 after the closing date prescribed for receipt of applications for the 1968 examination may take the examination to be held in 1969 as his first chance.

NOTE.—The provision contained in proviso (ii) to this Rule will not apply to candidates who were due for release in 1968 according to a phased programme (in the case of Emergency Commissioned Officers) or at the end of the tenure of their service (in the case of Short Service Commissioned Officers).

9. A candidate must hold a Bachelor's degree with at least one of the subjects, namely, Botany, Chemistry, Geology, Physics and Zoology or a Bachelor's degree in Agriculture, or in Civil or Mechanical or Chemical or Agricultural Engineering of any of the Universities enumerated in Appendix I or must possess any of the qualifications, mentioned in Appendix-I-A subject to the condition stipulated therein.

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been

informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

NOTE II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign university which is not included in Appendix I, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

10. A candidate serving in the armed forces must submit his application for this examination to the Officer Commanding his unit who will forward it to the Union Public Service Commission. A candidate who is himself the Officer Commanding his Unit must submit his application through his next superior officer.

All other candidates in Government Service must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the Examination.

11. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

12. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

14. A candidate who in the opinion of the Commission has resorted to impersonation or has submitted fabricated documents or has submitted documents which have been tampered with or has made statements which are incorrect or false or has suppressed material information or has otherwise resorted to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination, or has used or has attempted to use unfair means in the examination hall or has misbehaved in the examination hall, or has been found to have in his possession or accessible to him unauthorised papers, books or notes etc. in the examination hall, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution,—

- (a) be debarred permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from admission to any examination or appearance at any interview held by the Commission for selection of candidates; and
 - (ii) by the Central Government, from taking up any employment under them; and
- (b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules, if he is already in service under Government.

15. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for the *visa voce*.

16. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment.

Provided that any candidate belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, who though not qualified by the standard prescribed by the Commission for the Service, is declared by them to be suitable for appointment thereto with due regard to the maintenance of efficiency of administration, shall be recommended for appointment to vacancies reserved for members of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, as the case may be, in the Service.

17. (a) If on the result of the examination, a sufficient number of qualified candidates is not available to fill the vacancies reserved for released Emergency Commissioned/Short Service Commissioned Officers, the unfilled vacancies shall be filled in the manner prescribed by the Government in this behalf from time to time.

(b) If the number of qualified candidates is larger than the number of vacancies reserved for released Emergency Commissioned/Short Service Commissioned Officers, the names of those who are not appointed shall be kept on the waiting list for appointment against the quota of vacancies reserved for them in the succeeding year(s).

18. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

19. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service.

20. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for the *viva voce* by the Commission may be required to undergo medical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix IV to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service.

Attention is particularly invited to the condition of medical fitness involving a walking test of 25 Kilometres in 4 hours.

21. No male candidate who has more than one wife living or who having a spouse living, marries in any case in which such marriage is void by reason of its taking place during the life time of such spouse, shall be eligible for appointment to the Service, on the results of this competitive examination unless the Government of India, after being satisfied that there are special grounds for doing so, exempt any male candidate from the operation of this rule.

22. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into Service would be of advantage in passing departmental examinations which candidates have to take after entry into Service.

23. Brief particulars relating to the Service to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

M. R. BHARDWAJ
Under Secy.

APPENDIX I

List of Universities approved by the Government of India (vide Rule 9)

INDIAN UNIVERSITIES

Any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India and other educational institutes established by an Act of Parliament, or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956.

UNIVERSITIES IN BURMA

The University of Rangoon.

The University of Mandalay.

ENGLISH AND WELSH UNIVERSITIES

The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool, London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffield and Wales.

SCOTTISH UNIVERSITIES

The Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews.

IRISH UNIVERSITIES

The University of Dublin (Trinity College).

The National University of Dublin.

The Queen's University, Belfast.

UNIVERSITIES IN PAKISTAN

The University of Punjab.

The Dacca University.

The University of Sind.

The Rajshahi University.

UNIVERSITY IN NEPAL

The Tribhuvan University, Kathmandu.

APPENDIX I-A

List of qualifications recognised for admission to the examination (vide Rule 9).

- *1. French-Examination "Propedeutique".
- *2. Diploma in Rural Services of the National Council of Rural Higher Education.
- *3. Diploma in Rural Services of the Visva Bharati University.
- *4. 'Higher Course' of Shri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry, provided that the Course has been successfully completed as a "full student".
- *5. Associateship or Fellowship of the Indian Institute of Science, Bangalore.
6. National Diploma in Civil or Mechanical or Chemical Engineering/Chemical Engineering and Technology of the All India Council for Technical Education.
7. A pass in Section A and in Section B (in one of the Branches, namely, Civil Engineering, Mechanical Engineering or Chemical Engineering) of the Associate Membership Examination of the Institution of Engineers (India).
8. Hons. Diploma in Civil or Mechanical Engineering of the Loughborough College, Leicestershire, provided that a candidate has passed the common preliminary examination or has been exempted therefrom.

*NOTE.—Qualifications 1 to 5 will not be acceptable unless the candidate has passed the examination with at least one of the subjects namely, Botany, Chemistry, Geology, Physics and Zoology.

APPENDIX II

Plan of the Examination

1. The competitive examination comprises :

- (a) Written examination in two subjects as shown in para 2 below carrying a maximum of 300 marks.
- (b) *Viva voce* for such of the candidates as may be called by the Commission carrying a maximum of 300 marks of which 50 marks shall be assigned to the Evaluation of the Record of Service in the Armed Forces.

2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject, will be as follows :

Subject	Time allowed	Maximum Marks
(i) General English ..	3 hours	150
(ii) General Knowledge ..	3 hours	150

3. The syllabus for the examination will be as in the attached Schedule; and the question papers for the written examination will be the same as for the corresponding subjects in the scheme of the regular Indian Forest Service Examination which will be held concurrently.

4. All question papers must be answered in English.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

8. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

SCHEDULE

(vide para 3 of Appendix II)

PART A

The standard of papers will be such as may be expected of a Science/Engineering graduate of an Indian University.

(1) General English

Candidates will be required to write an essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Passages will usually be set for summary or précis.

(2) General Knowledge

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

PART B

Viva voce: The candidates will be examined by a Board who will have before them a record of the career of each candidate, including service in the Armed Forces. The candidate will be asked questions on matters of general interest and his subjects of academic study, as also on his experience in the Armed Forces. The object of the *Viva voce* is an assessment of the suitability of the candidate for the Service by a Board of competent and unbiased observers.

2. The technique of the *Viva voce* is not that of a strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal the mental qualities of the candidate, e.g., the intellectual curiosity, critical powers of observation and assimilation, balance of judgment, and alertness of mind; initiative, tact, capacity for leadership; the ability for social cohesion; mental and physical energy and powers of practical application; integrity of character; and other qualities such as topographical sense, love for out-door life and the desire to explore unknown and out of way places.

APPENDIX III

(Vide Rule 23)

The Appendix briefly describes the conditions of service as applicable to candidates recruited through the regular Indian Forest Service Examination. The seniority and pay of the candidates who may be appointed on the results of this examination would be regulated in accordance with the special orders issued by the Government in this behalf.

(a) Appointments will be made on probation for a period of three years which may be extended. Successful candidates will be required to undergo probation at such place and in such manner and pass such examinations during the period of probation as the Government of India may determine.

(b) If, in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) If the power to make appointments in the Service is delegated by Government to any officer that officer may exercise any of the powers of Government under clauses (b) and (c) above.

(e) An officer belonging to the Indian Forest Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under a State Government.

(f) Scales of pay :—

Junior Scale.—Rs. 400-400-450-30-600-35-670-45-35-950.

Senior Scale.—Rs. 700 (8th year or under)-40-1100-30/2-1250.

Conservator of Forests.—Rs. 1300-60-1600-100-1800.

Chief Conservator of Forests.—Rs. 2000-125-2250.

Inspector General of Forests.—Not yet fixed.

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued from time to time.

A probationer will be started on the Junior time scale and permitted to count the period spent on probation towards leave, pension or increment in the time scale.

(g) Provident Fund.—Officers of the Indian Forest Service are governed by the All India Service (Provident Fund) Rules 1955.

(h) Leave.—Officers of the Indian Forest Service are governed by the All India Service (Leave) Rules, 1955.

(i) Medical Attendance.—Officers of the Indian Forest Service are entitled to medical attendance benefits admissible under the All India Services (Medical Attendance) Rules, 1954.

(j) Retirement Benefits.—Officers of the Indian Forest Service appointed on the basis of Competitive Examination are governed by the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1955.

APPENDIX IV

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

(vide Rule 20)

(These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guide lines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government. It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board. For the disabled ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the service.)

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. *Walking test.*—The candidates will be required to qualify in walking test of 25 Kilometers to be completed in 4 hours. The arrangement for conducting this test will be made by the Inspector General of Forests, Government of India so as to synchronise with the sittings of the Medical Board.

3. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) The minimum standard for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as follows:—

Height	Chest girth (fully expanded)	Expansion
163 cms	84 cms	5 cms (For men)
150 cms	79 cms	5 cms (For women)

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to races such as Gorkhas, Garwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc., whose average height is distinctly lower.

4. The candidate's chest will be measured as follows:—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

5. The candidate's chest will be measured as follows:—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles

of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84-89, 86-93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half centimetre should not be noted.

6. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of a half of a kilogram should not be noted.

7. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded:—

- (i) *General.*—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye-lids or contiguous structures of such a sort as to render, or likely at a future date to render him unfit for service.
- (ii) *Visual Acuity.*—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows:—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye	Worse eye	Better eye	Worse eye
6/9	6/9	Sn 0.6	Sn 0.8
6/6	6/12		

Note:—

(1) Total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed $-4.00D$ in each eye. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed $+4.00D$ in each eye.

(2) *Fundus Examination.*—Wherever possible fundus examination will be carried out at the discretion of the Medical Board and results recorded.

(3) *Colour Vision.*—(i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour preception should be graded into a higher and a lower Grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below:—

Grade	Grade of Colour Perception
1. Distance between the lamp and candidate.	4.9 metres
2. Size of aperture	1.3 mm.
3. Time of exposure	5 sec.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's

plates, shown, in good light and suitable lantern like Edage Green's shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only the one of the tests, both the tests should be employed.

(4) *Field of Vision*.—The field of vision shall be tested in respect of all services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results, the field of vision should be determined on the perimeter.

(5) *Night Blindness*.—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests, e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

(6) *Ocular conditions other than visual acuity*.—(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma*.—Trachoma, unless complicated, shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint*.—As the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.

(d) *One-eyed persons*.—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

7. Blood Pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows:—

- (i) With young subjects 15–25 years of age the average is about 100 plus the age
- (ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc., or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within five minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from the clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied

lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level, they may disappear as a pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. The following additional points should be observed:—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be examined by the ear specialist. Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear;
- (b) that his/her speech is without impediment;
- (c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution.
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease

10. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing, appointed to determine their fitness for the above services. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a Second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner:—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared 'Temporarily Unfit' the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) *Candidate's statement and declaration.*

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below:—

1. State your name, in full (in block letters).....
2. State your age and birth place.....
2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower. Answer 'Yes' or 'No', and if the answer is 'Yes', state the name of the race.
3. (a) Have you ever had small-pox intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis?.....

Or

- (b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?.....
4. When were you last vaccinated?.....
5. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause?.....
6. Furnish the following particulars concerning your family:—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
--	--	--	--

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
--	--	---	---

Have you been examined by a Medical Board before?

8. If answer to the above is, Yes, please state what Service/Services you were examined for?

9. Who was the examining authority?

10. When and where was the Medical Board held?

11. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known

I declare all the above answers to be, to the best of my belief, true and correct.

Signed in my presence.

Candidate's signature

Signature of the Chairman of the Board.

NOTE:—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of Medical Board on (name of candidate) physical examination

1. General development: Good.....Fair.....

Poor.....

Nutrition: Thin.....Average.....Obese.....

Height (Without shoes).....weight.....

Best Weight.....When?.....Any recent change

in weight?.....Temperature.....

Girth of Chest.

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin: Any obvious disease.....

3. Eyes

(1) Any disease.....

(2) Night blindness.....

(3) Defect in colour vision.....

(4) Field of vision.....

(5) Visual acuity.....

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glass Sph. Cyl. Axis
Distant	R.E.		
	L.E.		
Near vision	R.E.		
	L.E.		
Hypermetropia (manifest)	R.E.		
	L.E.		

4. Ears: Inspection.....Hearing: Right Ear.....

.....Left Ear.....

5. Glands..... Thyroid.....

6. Condition of teeth.....

7. Respiratory System: Does physical examination

reveal anything abnormal in the respiratory

organs?..... If yes, explain

fully.....

8. Circulatory System:

(a) Heart: Any organic lesions?.....

Rate Standing.....

After hopping 25 times.....

2 minutes after hopping.....

(b) Blood Pressure: Systolic.....Diastolic

9. Abdomen: Girth..... Tenderness.....

..... Hernia.....

(a) Palpable: Liver.....Spleen.....

Kidneys.....Tumours.....

(b) Hemorrhoids..... Fistula.....

10. Nervous System: Indication of nervous or mental disability.....

11. Loco-Motor System: Any Abnormality.....

12. Genito Urinary System: Any evidence of Hydrocele. Varricocele etc.

Urine Analysis:

(a) Physical appearance

(b) Sp. Gr.....

(c) Albumen.....

(d) Sugar.....

(e) Casts.....

(f) Cells.....

13. Report of X-Ray Examination of Chest.

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Indian Forest Service?

15. Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Forest Service?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories:

(i) Fit

(ii) Unfit on account of.....

(iii) Temporary unfit on account of.....

Place.....

Date.....

Chairman.....

Member

Member

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 23rd December 1968

No. F. 8(18)-NS/68.—Shri A. C. Shubb, Executive Councillor (Finance), Delhi, is appointed in place of Shri V. K. Malhotra, Chief Executive Councillor, Delhi, as a member of the National Savings Central Advisory Board as reconstituted in the Government of India, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Resolution No. F. 8(18)-NS/68, dated 6th September, 1968.

V. S. RAJAGOPALAN, Under Secy.

MINISTRY OF COMMERCE

RESOLUTION

New Delhi, the 20th December 1968

No. 6/103/67-TEX(C).—The Government of India have decided to extend by another three months, i.e., upto March 15, 1969 the term of the first Committee of Administration of the Handloom Export Promotion Council which was constituted under the Ministry of Commerce Resolution No. 6/11/64-TEX(C) dated 16th June, 1965 and whose term was extended upto December 15, 1968 by Government Resolution No. 6/103-TEX(C)/67 dated 1st July, 1968.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India.

ORDERED also that a copy of the Resolution be sent to all concerned.

K. SRINIVASAN, Dy. Secy.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 16th December 1968

No. SSI(A)-17(2)/65.—In the Ministry of Industrial Development and Company Affairs (Department of Industrial Development Resolution No. SSI(A)-17(2)/65-Vol. II dated 23rd August, 1968, under which the Small Scale Industries Board was reconstituted, the following addition may be made to the list of Members of the Board :—

"67. Mrs. Haja Shariff,
41, Linghi Chetty Street,
Madras-1.

The 19th December 1968

No. 10(4)/67-SSI(B).—In supersession of this Ministry's Notification No. 11(6)/66-SSI(B), dated the 17th April, 1968, the Governing Council of the Invention Promotion Board is hereby reconstituted and the composition of the reconstituted Council is as follows :—

President

1. Prof. M. S. Thacker, 4-Kushak Road, New Delhi.

Vice-President

2. Shri N. J. Kamath, Joint Secretary to the Government of India, Department of Industrial Development, New Delhi.

Members

3. Dr. P. S. Gill, Director, Central Scientific Instruments Organisation, Chandigarh.
4. Shri M. M. Vadi, Senior Industrial Adviser (Engineering), D.G.T.D., New Delhi.
5. Dr. A. N. Ghosh, Director General, Indian Standards Institution, New Delhi-1.
6. Dr. S. Vedaraman, Controller General of Patents, Design & Trade Marks, Queens Road, Bombay.
7. Shri K. L. Nanjappa, D.C.S.S.I., New Delhi.
8. Dr. B. P. Pal, Director General, I.C.A.R., New Delhi-1.
9. Shri Y. A. Fazalbhoy, Managing Director, General Radio Appliances, Bombay.
10. Shri H. P. Nanda, Messrs Escorts Ltd., Connaught Circus, New Delhi.
11. Shri V. M. Rao, Technical Director, Messrs K.C.P. Ltd., 38-Mount Road, Madras-6.
12. Shri Sanjoy Sen, Director, Sen & Pandit, Merchantile Buildings, Lal Bazar Street, Calcutta-1.
13. Shri N. Bhavnani, Director, Inventions Promotion Board, New Delhi-14.

O. R. PADMANABHAN, Under Secy.

MINISTRY OF STEEL, MINES & METALS

(Department of Mines and Metals)

New Delhi, the 10th December 1968

No. C6-7(12)/68.—It has been decided to include a representative each of the Indian Iron & Steel Co. Ltd., Indian Mine Managers' Association, Mining, Geological and Metallurgical Institute of India, Indian Coal Merchants' Association and the major coal producing States in the composition

of the Coal Advisory Council which was constituted vide Resolution No. C6-7(T)/67 dated the 12th June, 1968. There will, however, be no change in the functions etc. of the Council. With the inclusion of the new members, the composition of the Council will now be as follows :—

Chairman

Minister of Steel, Mines and Metals.

Members

1. President of the Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry.—*ex-officio*.
2. President of the Associated Chambers of Commerce and Industry of India.—*ex-officio*.
3. One representative each of the major coal producing States *viz.* Bihar, West Bengal, Madhya Pradesh, Andhra Pradesh, Assam, Maharashtra and Orissa.
4. Two representatives of the major coal consuming States—By rotation annually.
5. A representative of the Public Sector Steel Industry.
6. One representative each of the Tata Iron & Steel Co. Ltd. and Indian Iron & Steel Co. Ltd., representing the private sector of the Steel Industry.
7. Four representatives of the Joint Working Committee of the Coal Industry representing Indian Mining Association, Indian Mining Federation, Indian Colliery Owners' Association and Madhya Pradesh and Vidarbha Mining Association.
8. A representative of the Coal Consumers Association of India.
9. A representative of the Soft Coke Producers' Collieries Association.
10. A representative of Labour.
11. A representative of the Indian Mines Managers' Association.
12. A representative of the Mining, Geological and Metallurgical Institute of India.
13. A representative of the Indian Coal Merchants' Association.
14. Chairman, Coal Board.
15. Managing Director, National Coal Development Corporation Ltd.
16. Managing Director, Singareni Collieries Co. Ltd.
17. Managing Director, Neyveli Lignite Corporation Ltd.
18. Director General, Council of Scientific and Industrial Research.
19. Director, Central Fuel Research Institute.
20. Director, Central Mining Research Station.
21. Director, Indian School of Mines.
22. Director General, Geological Survey of India.
23. Director General of Mines Safety.
24. Director General, Technical Development.
25. Coal Mining Adviser, Department of Mines and Metals, Ministry of Steel, Mines & Metals.
26. Ten representatives of the Government of India including that of the Railways.

Member-Secretary

27. Director, Department of Mines & Metals, Ministry of Steel, Mines & Metals.

The term of the Council is for a period of two years from the date it was constituted *i.e.* 12-6-1968 with a built-in provision for retirement of representatives in number 4 of the above list after one year *i.e.* replacement by some other representative of like unit for a period of one year.

The Council may meet periodically *i.e.* at least once a year.

Functions

The function of the Coal Advisory Council is to advise Government in regard to all matters of a general character

relating to coal, and in particular to problems pertaining to planning for the development, utilisation and due conservation of the coal resources of the country.

K. K. DHAR, Director

**MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE,
COMMUNITY DEVELOPMENT & COOPERATION
(Department of Agriculture)**

RESOLUTION

New Delhi-1, the 5th December 1968

No. 48-10/68-LDT.—The Fourth Five Year Plan envisages a large programme for sheep development—for meeting the country's demand for wool and the increasing demand for mutton. The programme *inter alia* provides for establishment of sheep breeding farms run on scientific lines, expansion and reorganisation of State Sheep Breeding Farms, of Sheep and Wool Extension Centres, extension of the programme of sheep shearing, wool grading and marketing. To advise Government on sheep and wool development programme on proper lines, on bringing about proper coordination between the sheep breeder, and the scientist on one hand and the wool producer, the trade and the industry, on the other, Government has decided to set up a Central Sheep Development Council constituted as under :—

I. Chairman

Minister for Food, Agriculture, Community Development and Cooperation, Government of India

II. Vice-Chairman

Union Minister in charge of Animal Husbandry.

III. Members

Representatives of Central Government

Additional Secretary in charge of Animal Husbandry.
Animal Husbandry Commissioner to the Government of India,
Financial Adviser.
Agricultural Marketing Adviser.
A representative of Planning Commission.
A representative of Ministry of Commerce.
A representative of Textile Commissioner.

Member-Secretary

Joint Commissioner (Sheep).

Representatives of State Governments

Directors of Animal Husbandry, or Sheep Development Officers from 8 States/Union Territories to be nominated by Government of India.

Representatives of Indian Council of Agricultural Research

Deputy Director General (Animal Sciences), Indian Council of Agricultural Research.
Director, Central Sheep & Wool Research Institute, Malpura (Rajasthan).

Representatives of sheep farmers

Five progressive sheep farmers to be nominated by the Government of India.

Representatives of wool processors

A representative of Khadi and Village Industries Commission.
A representative of the All India Handloom Board

Representatives of Trade

Two representatives of All India Wool Trade Federation
Two representatives of Indian Woollen Mills Federation.

Other Interests

A representative of Indian Standards Institution.

Two non-officials having skill in spinning or weaving of wool.

Two non-officials with expert knowledge of sheep industry or wool trade or wool utilisation to be nominated by Government of India.

The Government of India may nominate, from time to time, additional members on the Council.

The Council will be an advisory body and will have following functions :—

1. To consider from time to time the sheep development programmes formulated by the Central and State Governments.
2. To review the progress of sheep development programmes and suggest measures for accelerating the tempo, whenever necessary.
3. To consider problems concerning wool-grading, processing and utilisation.
4. To consider the problems of marketing of sheep, wool and mutton.
5. Any other functions which may from time to time be assigned by the Government of India to the council.

The Council will meet periodically at such time and place as may be decided by the Chairman.

The Council will have powers to co-opt experts and others with its work as and when considered necessary.

The Council may appoint committees for advising it in connection with problems relating to sheep breeding, wool production and utilisation, marketing of sheep and wool, disease control and any other purposes as it may think necessary.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments, Administrations of Union Territories and Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariat.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. J. MAJUMDAR, Additional Secy.

(I.C.A.R.)

New Delhi, the 17th December 1968

No. 26(1)/67-CDN(1).—Under the provisions of Rule 75 of the Rules of the Indian Council of Agricultural Research, the Minister of Food and Agriculture has been pleased to nominate Dr. N. Parthasarathy, Madras, as a member of the Standing Committee for Agricultural Research of the Indian Council of Agricultural Research for the period from the 3rd December, 1968 to the 21st July, 1969, or till such time as his successor is nominated by him on the Committee, whichever period expires earlier.

P. S. HARIHARAN, Dy. Secy.

(Department of Community Development)

RESOLUTION

New Delhi, the 10th December 1968

No. 11/1/67-CP&B.—The need for setting up a national forum, reflecting various shades of informed opinion on the subject, to advise the Ministry on suitable policies for promoting the objectives of Community Development, has been felt for some time. It has accordingly been decided to constitute a Consultative Council on Community Development

2. The Composition of the Council will be—

Chairman

Union Minister of Food, Agriculture, Community Development & Cooperation.

Vice-Chairman

Union Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (incharge of Deptt. of Community Development).

Members

- (1) Union Deputy Minister in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation.
- (2) Secretary (ACD&C), Departments of Agriculture, Community Development and Cooperation, Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation.
- (3) Additional Secretary (CD), Department of Community Development, Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation.
- (4) Minister for Panchayati Raj, Government of Andhra Pradesh, Hyderabad.
- (5) Minister for Agriculture, Panchayat including Community Development and Cooperation, Government of Assam, Shillong.
- (6) Minister of Panchayat, Community Projects, Cooperation and Agriculture, Government of Gujarat, Ahmedabad.
- (7) Minister for Development (incharge of Community Development and Panchayati Raj) Government of Haryana, Chandigarh.
- (8) Minister of Community Development and Panchayats, Government of Kerala, Trivandrum.
- (9) Minister for Planning and Development (incharge of Community Development and Panchayati Raj), Government of Madhya Pradesh, Bhopal.
- (10) Minister for Local Administration, Government of Madras, Madras.
- (11) Minister for Rural Development, Government of Maharashtra, Bombay-32.
- (12) Minister for Development, Cooperation and Panchayati Raj, Government of Mysore, Bangalore.
- (13) Minister for Tuensang Affairs, Community Development and Cooperation, Government of Nagaland, Kohima.
- (14) Minister for Community Development and Panchayati Raj, Government of Orissa, Bhubaneswar.
- (15) Minister for Community Development, Government of Rajasthan, Jaipur.
- (16) Chief Minister and Minister incharge of Community Development, Goa, Daman & Diu, Panaji.
- (17) Chief Minister, Tripura, Agartala.
- (18) Executive Councillor, incharge of Panchayati Raj and Community Development, Delhi Metropolitan Council, Delhi.
- (19) Development Minister, Himachal Pradesh, Simla.
- (20) Member (Agriculture) Planning Commission, New Delhi.
- (21) Begum Ali Zaheer, Chairman, Central Social Welfare Board, New Delhi.
- (22) Shri John Barnabas, Director, The Central Institute of Research & Training in Public Cooperation, C-1/4, Safdarjung Development Area, New Delhi-16.
- (23) Shri Rajeshwara Patel, General Secretary, All India Panchayat Parishad, A-23, Kallash Colony, New Delhi.
- (24) Dean, National Institute of Community Development, Rajendranagar, Hyderabad.
- (25) Smt. K. Lakshmi Raghu Ramaiiah, Hon'y. General Secretary, All India Women's Conference, Saroitni House, 6 Bhagwan Dass Road, New Delhi-1.
- (26) Shri Biswanarayan Shastri, Member Parliament.
- (27) Shri Bhola Raut, Member Parliament.
- (28) Chaudhari Randhir Singh, Member Parliament.
- (29) Shri Samarendra Kundu, Member Parliament.
- (30) Shri Om Mehta, Member Parliament.
- (31) Shri T. S. Avinashilingam, Sri Ramakrishnan Mission Vidyalaya, Sri Ramakrishna Vidyalaya P.O., Coimbatore District, South India.
- (32) Shri N. S. Kajroikar, 21st Road, Khar, Bombay-52.
- (33) Shri B. P. Nagarajamurthy, Ragibomanahalli, Malavalli Taluk, Mandya District, Mysore State.
- (34) Shri L. Elayaperumal, Chairman, Committee on Untouchability & Econ. & Edl. Development of Sch. Castes, Room No. 68, 'M' Block, New Delhi.
- (35) Dr. L. M. Singhvi, 20, Mahadev Road, New Delhi-1.
- (36) Prof. V. K. N. Menon, "Plain View", near Central Stadium, Trivendrum.
- (37) Smt. Leeladevi R. Prasad, C-30/1, Railway Line Road, Nehru Nagar, Bangalore-20.
- (38) Shri N. Ramachandra Reddy, M.L.A., 3-6-190, Hyderguda, Hyderabad.
- (39) Shri D. L. Mazumdar, Chairman, West Bengal Industrial Development Corporation Ltd., X. 26 Hauz Khas, New Delhi-16.
- (40) Shri Vimalkumar Chordia, Bhanpura, Mandasor District, (Madhya Pradesh).
- (41) Smt. Savitri Nigam, 13, Rakabganj Road, New Delhi.
- (42) Shri G. Chandrasekharam, 3-6-471, Himayatnagar, Hyderabad-29.
- (43) Shri Narayan Datt Tiwari, Convener, Indian Youth Congress, 7 Jantar Mantar Road, New Delhi-1.
- (44) Shri R. Keishing, Mantripukhari P.O., Imphal, (Manipur).
- (45) Shri Brahmakumar Bhatt, Advocate, 2237, Bauani Pole, Raipur, Ahmedabad-1.

Member-Secretary

Joint Secretary (P), Department of Community Development, Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation, New Delhi.

3. The functions of the Council will be—

- (a) to advise the Centre and the States on the problems relating to Community Development and their solution;
- (b) to review, from time to time, the progress and recommend measures for needed improvements in the implementation of the Community Development Programme with special reference to intensive programmes of action; and
- (c) to advise the Centre and the States on the measures required to secure adequate resources for the Community Development Programme, as well as public cooperation, taking into account the needs both of economic development and community action.

4. The term of office of the members of the Council will be for three years.

5. The Council will meet as often as necessary and, in any case, at least twice in a year.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

I. D. N. SAHI, Additional Secy.

MINISTRY OF EDUCATION**Central Advisory Board of Education**

New Delhi, the 2nd December 1968

No. F. 23-2/67.IU.—In continuation of this Ministry's Notification No. F. 23-2/67.IU dated the 6th November, 1968 on the subject of nomination of Members to the Central

Advisory Board of Education the following amendment to the said Notification, namely,

"The terms of Membership of Shri K. P. Subramania Menon, M.P., Dr. S. Misra, Prof. T. S. Sadasivan, Shri K. C. Chacko, Prof. P. J. Madan, Dr. R. M. Kasliwal, and Rear Admiral R. N. Batra may be amended to read as 31st March, 1971 instead of 31st March, 1970."

MRS. S. DORAISWAMY, Asstt. Educational Adviser

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

RESOLUTION

New Delhi, the 11th December 1968

No. EL-II-34(45)/66.—At the tenth meeting of the Northern Zonal Council held at Udaipur on 2nd February, 1968 it was *inter alia* decided that the Chandigarh Administration should have a representative on the Northern Regional Electricity Board as one of its members and that the Chief Engineer, Himachal Pradesh should be made a member in place of the Chief Secretary, Himachal Pradesh. In pursuance thereof para 2 of this Ministry's Resolution No. EL-II-35(3)/63, dated the 13th February 1964 relating to the composition of the Northern Regional Electricity Board, as amended by this Ministry's Resolution No. EL-II-34(27)/66, dated 5th August, 1966 and No. EL-II-34(45)/66, dated 13th September, 1967, 12th June 1968 and 20th September, 1968, shall be reconstituted as follows:—

- (i) Minister of State Incharge of Works, Irrigation and Power, Jammu and Kashmir or his representative.
- (ii) The Chairman, Punjab State Electricity Board.
- (iii) The Chairman, Rajasthan State Electricity Board.
- (iv) The Chairman, Uttar Pradesh State Electricity Board.
- (v) The Chairman Delhi Electric Supply Committee.
- (vi) The Chairman, Haryana State Electricity Board.
- (vii) The Chairman, Bhakra Management Board.
- (viii) Chief Engineer, Department of Multipurpose Projects and Power, Himachal Pradesh.
- (ix) Chief Engineer Incharge of Electricity Works, Chandigarh Administration.
- (x) A representative of the Central Electricity Authority
- (xi) The Member-Secretary.

The Members from Punjab, Delhi, Haryana, Jammu & Kashmir, Rajasthan, Uttar Pradesh and Bhakra Management Board shall be the Chairmen for a period of one year each by rotation.

ORDER

ORDERED that the above Resolution be communicated to the Government of Jammu & Kashmir, Punjab, Rajasthan, Uttar Pradesh, Haryana and Union Territory of Delhi, Himachal Pradesh and Chandigarh and the Bhakra Management Board, the Ministries of the Government of India, the Prime Minister's Secretariat, the Secretary to the President, the Planning Commission and the Comptroller and Auditor General of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette India for general information.

K. P. MATHRANI, Secy.

RESOLUTION

New Delhi, the 26th December 1968

No. DW.V.511(39)/68.—In paragraph 2 of this Ministry's Resolution No. DW.V.511(39)/68, dated the 19th November, 1968, the following sub-paragraph may be added:

"The Committee is empowered to co-opt concerned officers of the Government of India and the Government of West Bengal, as and when necessary, in connection with their study."

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to the State Government of West Bengal/All the Ministries of the Government of India/Prime Minister's Secretariat/Private and Military Secretary to the President/Comptroller and Auditor General of India/Planning Commission for information.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India and that the State Government of West Bengal be requested to publish it in the State Gazette for general information.

P. R. AHUJA, Jt. Secy.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

RESOLUTION

New Delhi, the 19th December 1968

No. 18/15/67-B(B).—In continuation of this Ministry's Resolution No. 18/15/67-B(B), dated the 13th December, 1968, it is hereby ordered that Shri J. C. Nampui, Deputy Secretary, Ministry of Information & Broadcasting will serve as a member of the Advisory Board on Commercial Broadcasting.

A. S. GILL, Jt. Secy.

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Labour & Employment)

RESOLUTION

New Delhi, the 17th December 1968

No. LWI(J)30(3)/65.—In further partial modification of the Resolution of the Government of India, Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation No. LWI(J)30(3)/65, dated the 5th August, 1966, published in the Gazette of India, Part I, Section 1, dated the 20th August, 1966, the Government of India hereby nominates as members of the Committee on Labour Welfare Shri M. M. Rajendran, Commissioner of Labour, Madras *vice* Shri T. S. Sankaran, I.A.S., Additional Secretary, representing the Government of Madras, Shri Ajit Singh, Deputy Secretary, Department of Mines and Metals *vice* Shri K. K. Dhar, Director representing the Ministry of Mines and Metals and Shri Probin Goswami, General Secretary INTUC *vice* Shri Arun Bhattacharya.

C. R. NAIR, Under Secy.

RESOLUTION

New Delhi, the 20th December 1968

No. LWI-I 17(1)/68.—The term of the Study Group (constituted in the Government of India Resolution No. LWI(I)31(1)/66-A, dated 17th August, 1967 published in the Gazette of India dated 2nd September, 1967, to undertake a factual study of the working and living conditions of the Railway Porters and Commissioned Vendors) which was extended upto 30th November 1968 in the resolution No. LWI(I) 17(1)/68, dated 26th March, 1968, published in the Gazette of India dated 6th April, 1968, is hereby extended upto the 31st March, 1969.

ORDER

ORDERED that a copy of the resolution be forwarded to:—

- (i) All State Governments.
- (ii) Ministry of Railways.
- (iii) All India Organisations of Employers and Workers
- (iv) National Federation of Railway Porters and Vendors, Hata Jagdish Prasad Lokmanganj, Charbagh, Lucknow.
- (v) Members of the Committee.
- (vi) Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi.
- (vii) Director, Labour Bureau, Simla.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R B SHUKLA, Director of Industrial Relations

RESOLUTION

New Delhi, the 20th December 1968

No. 10/31/68 MII—The Government of India have decided to re constitute the Central Advisory Board for Iron Ore Mines Labour Welfare Fund which was set up in this Ministry's Resolution No 10/10/67-MII dated the 21st November, 1967.

The Composition of the reconstituted Board is as follows :—

Chairman

Joint Secretary in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment)

Members Representing Government

- 1 Chairman, Iron Ore Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee for Bihar, New Punaichak, Patna.
- 2 Chairman, Iron Ore Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee for Madhya Pradesh, Moti Bungalow, M. G Road, Indore.
- 3 Welfare Commissioner, Iron Ore Mines Labour Welfare Advisory Committee for Goa, Daman and Diu, Rua St. Tome, Saldenhas Building, Panaji, Goa.
- 4 Vice-Chairman, Iron Ore Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee for Mysore, No. 7, Infantry Road, Bangalore
- 5 Vice Chairman, Iron Ore Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee for Maharashtra, C/o Director of Mining & Geology, Government of Maharashtra, Nagpur.
- 6 Vice-Chairman, Iron Ore Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee for Andhra Pradesh, Hydriguda Hyderabad.
- 7 Vice-Chairman, Iron Ore Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee for Orissa, Bhubaneswar

Members Representing Employers' Organisations

1. Shri P. L. Mukherjee, Deputy Financial Controller, National Mineral Development Corporation, 61, Ring Road, Lajpat Nagar, New Delhi.
- 2 Shri V Manohar, Joint Chief (Industrial Relations) Hindustan Steel Limited, Ranchi
- 3 Shri B I Verma, Indian Iron and Steel Company Limited, 12, Mission Row, Calcutta.
- 4 Shri Shambaji Saldesai, C/o V. S. Dempo and Co. Private Limited, Post Box No. 34, Panaji (Goa).
- 5 Shri S Lal, Managing Director, S. Lal and Company Private Limited, C/o Orissa Mining Association, P.O. Barbil, District, Keonjhar, Orissa

6. Shri S. G. A. Naidu, President, Mysore State Mine Owners' Association 8, Cunningham Road, Bangalore-1
- 7 Shri D. C. Jain M/s R. Mc Dill & Co. (P) Ltd. 34-D, Ratu Sarkar Lane, Calcutta-7.

Members Representing Workers' Organisations

1. Shri Prakash Roy, Secretary, Indian Mine Workers Federation, Samyukta Khadan Mazdoor Sangh, Rajnandagaon, (M.P.).
2. Shri V. G. Gopal, General Secretary, Tata Workers Union, 17 K. Road, Jamshedpur (Bihar).
3. Shri J. R. Dash, General Secretary, Barbil Workers' Union P.O. Barbil, District Keonjhar (Orissa).
4. Shri Hemant Deshmukh, General Secretary, Steel Workers' Union, 17/1 Sector No 1, Bhilai (M.P.).
5. Shri Rajkishore Samant Rai, Rourkela Mazdoor Sabha, Rourkela, (Orissa)
6. Shri Jagdish Nag, Rourkela Mazdoor Sabha, Rourkela, (Orissa).
- 7 Shri S. Das Gupta, Secretary, Indian National Mine Workers Federation, Katras Road, Dhanbad.

2. The Board may also co-opt any other persons as a Member if it consider necessary. The Under Secretary in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) shall function as Secretary to the Board.

3. The Board will be a non-statutory body and its functions will be :—

- (i) To advise on the activities of the Fund;
- (ii) To review and coordinate the activities of the Regional Organisations of the Iron Ore Mines Labour Welfare Funds; and
- (iii) To consider any other matter relevant to the welfare of Iron Ore Mine Workers under the Iron Ore Mines Labour Welfare Fund.

4. The life of the Board will be for a period of three years and it will meet at such place and at such interval as it may consider necessary

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to

1. The Governments of Andhra Pradesh, Mysore, Madhya Pradesh, Maharashtra, Bihar, Orissa and Goa, Daman and Diu
2. The Ministry of Steel, Mines and Metals (Department of Mines and Metals) New Delhi.
3. All Members of the Board
4. Employers' and Workers' Organisations concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information

S. T. MERANI, Jt. Secy